दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:16 ए एम
सूर्यास्तः 06:37 पी एम
तिथिः नवमी - 07:02 पी एम तक
नक्षत्रः मगशिरा - 05:32 पी एम तक
योगः सौभाग्य - 11:36 पी एम तक
करणः वणिज - 07:02 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - पूर्ण रात्रि तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरुवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 90 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरुवार 30 मार्च 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

कर्नाटक विधानसभा चुनाव

10 को मतदान, 13 मई को नतीजा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 10 मई को मतदान होगा. चुनाव नतीजे 13 मई को आएंगे. केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने आज कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए तारीखों का ऐलान किया. कर्नाटक में कुल 224 विधानसभा सीटें हैं. इस वक्त राज्य में भारतीय जनता पार्टी (इखढ) का शासन है और बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री हैं. कर्नाटक में कुल 5,21,73,579 वोटर हैं, जबकि 9.17 लाख नए वोटर जुड़े हैं. 1 अप्रैल को जिनकी उम्र 18 साल हो रही है, वे भी वोट कर सकेंगे. 100 बूथों पर दिव्यांग कर्मचारी तैनात रहेंगे.

कर्नाटक में 2018 विधानसभा चुनाव के बाद बनी जद (एस)-कांग्रेस की गठबंधन सरकार के गिर जाने के बाद 2019 जुलाई में कर्नाटक में भाजपा सत्ता में आई थी. जद (एस)-कांग्रेस गठबंधन के कई बागी विधायकों का समर्थन हासिल कर भाजपा ने यह सरकार बनाई थी. बाद में बागी विधायक भाजपा में शामिल हो गए और उपचुनाव लड़कर जीते. वर्तमान विधानसभा में भाजपा के 121 विधायक हैं. कांग्रेस के पास 70 और जद (एस) के पास 30 विधायक हैं. भाजपा ने अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री भी बदल दिया. बी.एस. येदियुरप्पा ने जुलाई, 2021 में मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था और उनके स्थान पर मौजूदा मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई गद्दी पर बिठाए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने आज बताया कि करीब 1,320 मतदान केंद्रों पर केवल महिला कर्मचारी मौजूद रहेंगी. इससे हम महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रहे हैं. हम 240 मतदान केंद्रों को मॉडल पॉलिंग स्टेशन बनाएंगे. युवाओं को मतदान केंद्रों पर लाने के लिए 224 मतदान केंद्र सिर्फ युवाओं द्वारा संचालित किया जाएगा. कर्नाटक में 58,282 मतदान केंद्र हैं जिसमें से 20,866 शहरी केंद्र हैं. इनमें से 50% मतदान केंद्र यानी 29,140 पर वेबकास्टिग की जाएगी. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हमने कर्नाटक विधानसभा के मतदान का दिन बुधवार रखा है. इससे हो सकता है कि लोग बाहर तो नहीं जा सकेंगे, क्योंकि दो दिन की छट्टी मिलने में थोड़ी मुश्किल होगी. लोग मतदान करने आ जाएंगे. विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अप्रैल को जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तिथि 20 अप्रैल है तथा नामांकन 24 अप्रैल तक वापस लिए जा सकते हैं. राजीव कुमार ने कहा कि कर्नाटक में 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध होगी.

चुनाव आयोग ने किया तारीखों का एलान

- नोटिफिकेशनः 13 अप्रैल
- नामांकनः 20 अप्रैल
- नामांकन वापस लेने की तारीखः 24 अप्रैल
- मतदानः 10 मई
- मतगणनाः 13 मई

रूस-यूक्रेन जंग के बाद अब दुनिया मुश्किल जगह बन गई है: जयशंकर

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर कहा कि ऐसा कुछ होने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन अब इस जंग के साथ बहुत कुछ बदल गया है. उन्होंने कहा, 'पश्चिम और यूरोप के साथ रूस के रिश्ते पहले जैसे नहीं रह गए हैं. नतीजतन एशिया के साथ रूस के संबंध भी बदलेंगे. विदेश मंत्री ने कहा, 'अब दुनिया बहुत अधिक मुश्किल जगह बन गई है. भारत वैश्विक दक्षिण की आवाज है. भारत ने इसे हासिल करने के लिए काफी प्रयास किए हैं.'

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग की मुलाकात पर विदेश मंत्री ने कहा कि चीन का प्राथमिक आर्थिक साझेदार पश्चिम है और रूस के साथ हमारे संबंध बहुत ही संकीर्ण रहे हैं.

क्या 1 अप्रैल से महंगा हो जाएगा यूपीआई भुगतान!

2000 से ज्यादा पर देना पड़ेगा 1.1% शुल्क

नई दिल्ली/एजेंसी।

डिजिटल लेनदेन में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले यूपीआई के जरिये भुगतान क्या 1 अप्रैल से महंगा होने जा रहा है. कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगले महीने से 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई भुगतान पर 1.1 फीसदी शुल्क देना होगा. हालांकि, इस पर फैल रहे भ्रम को दूर करते हुए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने बाकायदा स्पष्टीकरण जारी किया है. एनसीपीआई की मानें तो यूपीआई के जरिये भुगतान आगे भी फ्री और आसान बना रहेगा. इसका ग्राहकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा. यह पहले की तरह की पूरी तरह मुफ्त रहेगा. इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि 1 अप्रैल से 2000 रुपये से ज्यादा के लेनदेन पर 1.1 फीसदी शुल्क देना पड़ेगा. डिजिटल

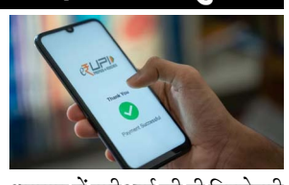

भुगतान में यूपीआई की ही हिस्सेदारी सबसे ज्यादा होती है. इस कदम से यूपीआई भुगतान को बड़ा झटका लगता और इसी बात को लेकर ग्राहकों में सबसे ज्यादा चिंता बढ़ रही थी. हालांकि, ठढउकने अब इस बारे में स्थिति साफ कर दी है. बैंक खाते से खाते में ट्रांजेक्शन की कुल हिस्सेदारी 99 फीसदी से ज्यादा है. एनसीपीआई ने ट्वीट कर बताया कि यूपीआई के जरिये हर महीने करीब 8 अरब ट्रांजेक्शन होता है. इसका फायदा खुदरा ग्राहकों को मिल रहा है. यह सुविधा आगे भी मुफ्त बनी रहेगी और खाते से खाते में लेनदेन पर किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सरेंडर कर सकता है भगोड़ा खालिस्तान समर्थक अमृतपाल

चंडीगढ़/एजेंसी। भगोड़े खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के आत्मसमर्पण करने की खबरों के बीच अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के बाहर पुलिस ने फ्लैग मार्च किया. बठिंडा जिले के तलवंडी साबो में तख्त दमदमा साहिब की सुरक्षा बढ़ा दी गई. अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह आज दमदमा साहिब में मौजूद हैं. सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक अमृतपाल अमृतसर या उसके आसपास के किसी जिले में सरेंडर कर सकता है. हालांकि, इस मामले में पुलिस अधिकारी अभी कुछ भी स्पष्ट तौर पर नहीं बता रहे हैं. कयास ये भी लग रहे हैं कि अमृतपाल सिंह दमदमा साहिब में सरेंडर कर सकता है. अमृतसर के डीसीपी (कानून-व्यवस्था) परमिंदर सिंह भंडाल ने कहा कि हमारी रूटीन चैकिंग कर रहे हैं, लेकिन अमृतपाल यहां आकर सरंडर करना चाहे तो हम उसके लिए भी तयार हैं।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
57,960.09+346.37 (0.60%)

निफ्टी
17,080.70+129.00 (0.76%)

सरकार ने दिया बड़ा आदेश, 1 मई से मिलेगी राहत

बंद होंगी फोन पर अनचाही कॉल्स

नयी दिल्ली/एजेंसी।

किसी मीटिंग, अस्पताल या जरूरी काम के बीच आपको परेशान करने वाले अनचाहे कॉल या स्पैम कॉल अब घंटी नहीं बजा सकेंगे। उससे पहले ही इन कॉल का कनेक्शन कट जाएगा क्योंकि मोबाइल पर अनचाही कॉल्स आने से परेशान लोगों को 1 मई से मिलेगी राहत। अब एक मई से आपके फोन पर अनचाही कॉल्स आनी बंद हो जाएंगी। लोगों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसे लेकर एक बड़ा आदेश दिया है। ऐसे में कंपनियों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से स्पैम फिल्टर इंस्टॉल करने के लिए कहा गया है। टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दूरसंचार कंपनियों से कहा है कि वह 1 मई तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस स्पैम फिल्टर लगाएं, ताकि लोगों को परेशान करने वाली अनचाही कॉल्स को नेटवर्क पर ही ब्लॉक कर दिया जाए। ट्राई के नए दिशानिर्देशों के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस स्पैम फिल्टर नेटवर्क पर ही कॉल को बंद कर देंगे, यानी आम लोगों के फोन नंबर पर ऐसे कॉल्स पहुंचेंगे ही नहीं। इस सर्विस के लिए

कंपनियों को एक कॉमन प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करना होगा. देश में टेलीकॉम के अलग-अलग नेटवर्क होने से सभी नेटवर्क पर अनचाहे या स्पैम कॉल को ब्लॉक करने में ये प्लेटफॉर्म मदद करेगा। कंपनियों को ब्लॉक किए गए उन नंबरों की जानकारी इस प्लेटफॉर्म पर डालनी होगी, जो लोगों को स्पैम या अनचाहे कॉल करते हैं। कंपनियों को इस कार्रवाई को पूरा करने के लिए 1 मई तक का ही समय दिया गया है। 1 मई के बाद ऐसे नंबरों से आने वाले कॉल नेटवर्क पर ही ब्लॉक करने होंगे।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

कौशल विकास केंद्र के संचालक को शो-कॉज, विजिटिंग रजिस्टर नहीं मिला अपडेट, लड़कियों ने कहा- शिकायत के बाद भोजन में सुधार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। नगर थाना अंतर्गत आउटडोर स्टेडियम के पास स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में संबंधित एजेंसी द्वारा खाना नहीं दिए जाने की शिकायत को अनुमंडल पदाधिकारी ने गंभीरता से लिया है। अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने अधिकारियों संग बुधवार को प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। एसडीओ श्री कुमार ने कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई-कढ़ाई की आवासीय प्रशिक्षण ले रही लड़कियों से बात की। लड़कियों ने फिलहाल खाना नहीं मिलने की शिकायत का एजेंसी द्वारा समाधान कर लिए जाने की बात कही लेकिन एजेंसी के विजिटिंग रजिस्टर में मिली खामियों पर एसडीओ ने संबंधित एजेंसी को फटकार लगाई और शो कॉज पूछने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही लड़कियों ने एसडीओ को बताया कि एजेंसी द्वारा अब बेहतर भोजन दिया जा रहा है । एसडीएम कौशल कुमार के साथ मौके पर मौजूद अंचलाधिकारी जामुन रविदास और नगर थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह को लड़कियों ने बताया कि वे लोग किसी दवाब में उक्त बातें नहीं कह रही है बल्कि उनकी द्वारा की गई शिकायत के बाद एजेंसी ने त्वरित कार्रवाई की। बता दे कि करीब तीन दिन पूर्व प्रशिक्षण केंद्र की सभी लड़कियां बोरिया-बिस्तर सहित नगर थाना पहुँचकर शिकायत की थी कि हमें खाना नहीं दिया जा रहा है और भूखे हमलोग ट्रेनिंग नहीं लेना चाहते। हम वापस घर लौटना चाहते हैं। बीते रविवार की शाम लगभग 70 लड़कियां बोरिया बिस्तर समेट कर थाना पहुंच गई थी। उनका कहना था कि शनिवार की शाम से हमें खाना नहीं दिया गया है। साथ ही कई अन्य परेशानियां भी केंद्र में है। मामले की गंभीरता को समझते हुए दुमका एसडीओ ने तत्काल केंद्र संचालक और उनके कर्मियों को बुलाया और फिर उनसे बातचीत कर लड़कियों को समझा-बुझाकर वापस भेजा और व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिया था।

उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र चलाने वाले एमबीडी एलकेम प्राइवेट लिमिटेड नामक संस्था के अधिकारियों और सदस्यों को भी चेतावनी दिया था कि ऐसी स्थिति दोबारा न आए। बुधवार को एसडीओ श्री कुमार उस केंद्र में पहुंचे और लड़कियों से बुलाकर बातचीत की। उनसे जाना कि अभी उन्हें किस तरह से खाना पीना दिया जा रहा है। मेनू के अनुसार भोजन मिल रहा है या नहीं। सभी लड़कियों ने बताया कि स्थिति में काफी सुधार आया है। हमें अब कोई परेशानी नहीं। एसडीओ और सीओ ने रसोईघर का भी निरीक्षण किया जहां खाना बन रहा था। खाने की गुणवत्ता की भी जांच की गई।

एसडीओ कौशल कुमार ने केंद्र की एक गलती यह पकड़ी कि यहां जो विजिटिंग रजिस्टर था वह अपडेट नहीं था। कई - कई दिनों का कॉलम भरा ही नहीं गया था । कौन आया - कौन गया कोई रिकॉर्ड ही नहीं था।

उन्होंने केंद्र संचालक को इसके लिए शो कॉज़ किया। बाद में एसडीएम कौशल कुमार ने कहा कि इन्हें चेतावनी दी गई थी कि आप व्यवस्था में सुधार लाइए नहीं तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। अभी निरीक्षण के क्रम में सब कुछ ठीक देखा जा रहा है लेकिन हम कुछ दिनों में दोबारा आएंगे और अगर स्थिति गड़बड़ हुई तो कार्रवाई की जाएगी ।

विशेष लोक अदालत में यूको बैंक के 6 मामले का हुआ निष्पादन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अनिल कुमार मिश्रा के दिशा निर्देश पर स्थाई लोक अदालत के सहयोग से यूको बैंक दुमका के भुरकुंडा शाखा में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। मौके पर अपने संबोधन में स्थाई लोक अदालत,दुमका के सदस्य नीता कुमारी ने कहा कि स्थाई लोक अदालत सभी बैंक से संबंधित मामलों का निष्पादन करती है और इसके द्वारा पारित आदेश मान्य है, इसको कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती है। डालसा सचिव ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत में यूको बैंक में लंबित मामलों तथा प्री लिटिगेशन से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए एक बेंच का गठन किया गया है। जिसमें बैंक के ऋण वसूली से संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए गठित बेंच के माध्यम से यूको बैंक, दुमका के 06 मामलों का निष्पादन किया गया तथा रू 89,900/- का सेटलमेंट किया गया। इस अवसर पर नीता कुमारी, सदस्य, स्थाई लोक अदालत, दुमका ,संतोष कुमार दास, पीएलबी तथा यूको बैंक के शाखा प्रबंधक के साथ बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आश्रम में की गई श्री श्री बासंती दुर्गा महाअष्टमी की पूजा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। स्वामी प्रणवानंद सेवा मिशन के पाटजोड़ आश्रम स्थित मंदिर में बुधवार को श्री श्री बासंती दुर्गा महा अष्टमी की विधि विधान से पूजा की गई।पुरोहित जीवन मुखर्जी एवं संजय घोषाल ने यहां बैदिक प्रद्धति में पूजा की।स्वामी चरणानंद महाराज के अगुआई में हुई पूजा में दूर दूर से आकर श्रद्धालुओं ने उपवास में रह कर पुष्पांजलि अर्पित की।मौके पर नव कुमार घोष,गुरुपद घोष,बाहा लिनी मुर्मू,सबिना सोरेन ने पूजा आयोजन में बढ़ चढ़कर भाग लिया हैं ।बताते चले पिछले ग्यारह सालो से यहां काफी उत्साह के साथ बासंती दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाता हैं ।

24 पहर अखंड हरिनाम संकीर्तन सह अस्टजाम प्रारम्भ

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आसनसोल कुरवा पंचायत के बहिंगा गांव में बुधवार को 24 पहर अखंड हरिनाम संकीर्तन सह अस्टजाम प्रारम्भ किया गया,जिसका समापन शुक्रवार को किया जाएगा।ग्रामीणों के सहयोग से पूर्व की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के उपलक्ष में रामनवमी के पूर्व अस्टजाम का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अष्टजाम शुक्रवार दोपहर तक होगा तत्पश्चात रामनवमी के उपलक्षय में महावीर मंदिर में ध्वजारोहण किया जायेगा जाएगा।अस्टजाम का नेतृत्व अरुण मंडल एवं उसकी कीर्तन मंडली के सहयोग से किया जा रहा है ।जबकि इस दौरान सारवां देवघर से आए संकीर्तन कलाकार के द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की,जिसने सभी का मन मोह लिया।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने साक्षरता को लेकर दिघी गांव का किया सर्वे

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संताल परगना महाविद्यालय दुमका की राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट 6, 8 और 11 के द्वारा सात दिवशीय विशेष शिविर का चौथा दिन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ. एनएसएस के स्वयंसेवकों ने साक्षरता को लेकर दिघी गांव का सर्वे किया. कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. इंद्रजीत कुमार, प्रोफेसर सनोज स्टीफन हेम्ब्रोम और प्रोफेसर एलिजाबेथ टुडू ने एनएसएस स्वयंसेवकों को नुक्कड़ नाटक का अभ्यास कराया। शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों द्वारा साक्षरता और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही से होनेवाली समस्याओं को नाटक के माध्यम से समझाने का प्रयास करेंगे। अतिथि एसपी कॉलेज के डॉ. शंभु कुमार सिंह, डॉ. रविशंकर कुमार और प्रो. अमन राज ने एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयास की प्रशंसा की।

जय भारत सत्याग्रह आंदोलन के तहत नुक्कड़ सभा का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जय भारत सत्याग्रह आंदोलन के तहत दुमका प्रखंड के भुरकुंडा हटिया परिसर में जिला कांग्रेस कमिटी दुमका के अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी के नेतृत्व में नुक्कड़ सभा कर किस तरह जल्दबाजी में काग्रेस नेता की सदस्यता खत्म किया गया राहुल गांधी ने सर्फ ये सवाल से केंद्र सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी घबरा गए की अडानी के सेल कम्पनी में जो बीस हजार करोड़ जमा है वो पैसा किसका है इसी सवाल का जवाब देने में केंद्र सरकार का पसीना बह रहा है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमिटी दुमका के अध्यक्ष ने कहा की गुजरात के एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा था कि मोदी के सरकार में जो पैसा का लेन देन हुबा है वो सिर्फ़ मोदी के ही मित्र क्यू है और उसी मामले में उन्हें झूठे केस करा कर उनकी सदस्यता रद्द कर दीया जाता है लेकीन काग्रेस कार्यकर्ता जब तक केंद्र सरकार को 2024 में उखड़ कर मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल कर ही दम लेंगे। इस नुक्कड़ सभा मे जिला कांग्रेस के उपध्यक्ष प्रो मनोज अम्बस्त, संजीत सिंह ,अरविन्द यादव ,अली इमाम टिंकू, सत्यनारायण यादव, सुनील किस्कू, विलियम टुडू, स्टीफन मरांडी ,मदन महतो ,राकेश चोबे ,सुधीर कुमार राम , दुलाल राय शमिल थे।

ब्रायलर चिक हार्डनिंग सेंटर का उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। डीपीएम,जेएसएलपीएस एवं डीएएचओ दुमका के द्वारा बुधवार को दुमका सदर के डामरी गांव में जोहार परियोजना के तहत निर्मित ब्रायलर चिक हार्डनिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। डामरी गांव में कुल 22 चूजों के सख्त केंद्र का निर्माण किया गया है। दुमका जिले के सदर प्रखंड मे ऐसे कुल 170 ब्रायलर चूजों के सख्त केंद्र का निर्माण 570 वर्ग फीट मे किया गया है। जेएसएलपीएस के माध्यम से लाभार्थियों को ब्रॉयलर चूजा पालन पर 10 दिनों का आवासीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये लाभार्थी ब्रायलर चूजों का पालन करेंगे और 30 दिनों के पालन-पोषण के बाद फॉरवर्ड लिंकेज प्रथाओं को अपनाकर पूरी तरह से विकसित चूजों की बिक्री करेंगे। झारखंड वीमेन सेल्फ सपोर्टिंग पोल्ट्री कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड के अभिसरण के साथ मुर्गी पालन एवं व्यवसाय हेतु प्रत्येक लाभुको को जोहार परियोजना के तरफ से 1,12,000 रुपयों की राशि उपलब्ध करवाई गयी है।

पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताः पारस कुमार सिन्हा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डॉ सिकन्दर कुमार, दुमका । दुमका के तेज-तर्रार युवा अधिवक्ता पारस कुमार सिन्हा ने डिस्ट्रिक्ट जज के रूप में चयनित होकर न सिर्फ इस जिले के युवाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करने का काम किया है, बल्कि संताल परगना प्रमंडल जैसे पिछड़े इलाके में अपनी कौशल क्षमता के बल पर उन्हें आगे बढ़ने की एक बड़ी प्रेरणा का बीजारोपण भी किया है। बार से डिस्ट्रिक्ट जज की मात्र 22 सीटों के लिए हुए एग्जाम में तीसरे स्थान के साथ चयनित अधिवक्ता पारस कुमार सिन्हा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए जहाँ एक ओर अपने माता-पिता, पत्नी, अधिवक्ता ससुर सहित अपने चाहने वाले मित्रों, शुभचिन्तकों को इसका श्रेय दिया है, वहीं दूसरी ओर अपनी जन्मस्थली दुमका की आम अवाम के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट की है जिन्होंने मुकदमों के माध्यम से उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका दिया है।अधिवक्ता पारस कुमार सिन्हा की प्रारंभिक शिक्षा बाल भारती विद्यालय (कक्षा 6 तक की पढ़ाई) और संत जोसेफ विद्यालय गुहियाजोरी से हुई है। संत जोसेफ विद्यालय गुहियाजोरी से उन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। तदुपश्चात एसकेएमयू, दुमका से केमिस्ट्री में ऑनर्स तक की डिग्री हासिल की। वर्ष 2006 में दिल्ली विश्वविद्यालय से उन्होंने लॉ की डिग्री हासिल की। उसके बाद तीस हजारी सिविल कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में बतौर अधिवक्ता अपने सीनियर मिस कमलेश जैन के के अंदर रहकर प्रैक्टिस किया, जिनसे काफी कुछ सीखने का मौका मिला।फरवरी 2010 से वे गृह जिला दुमका में अधिवक्ता सत्यनारायण भगत, ध्रुव प्रसाद व प्रदीप कुमार सिन्हा उर्फ परमा बाबू के अंदर रहकर प्रैक्टिस किया और धीरे धीरे स्वतंत्र प्रैक्टिस की ओर आगे बढ़े।

अधिवक्ता पारस कुमार सिन्हा के अनुसार सितंबर 2022 में डिस्ट्रिक्ट जज के लिए लिखित परीक्षा हुई थी, जिसमें पास करने के बाद 12 मार्च 2023 को उनका इंटरव्यू लिया गया और 23 मार्च को परिणाम घोषित कर दिया गया। उनकी इच्छा है कि चित्रांश समाज के वैसे बच्चे जो सिंसियर होकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए अपने दादा जी स्व0 परमानंद प्रसाद के नाम पर एक स्कॉलरशिप योजना वे प्रारम्भ कर सकें।

रामनवमी को लेकर निकला फ्लैग मार्च, नहीं बजेगा डीजे, आग के करतब पर रोक, एसडीओ की अपील - सामाजिक सौहार्द के साथ मनाए रामनवमी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । रामनवमी पूजन को लेकर जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। रामनवमी के दौरान शहर से लेकर पूरे जिले में शांति और विधि व्यवस्था बनाए रखने बुधवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार के नेतृत्व में एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी, बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा, सीओ जामुन रविदास, थाना प्रभारी सह पुनि नवल किशोर सिंह ने सीआरपीएफ, एसएसबी और जैप के जवानों के साथ पूरे शहर में फ्लैग मार्च किया। दुमका नगर थाना से शुरू फ्लैग मार्च शहर के दुधानी, रसिकपुर, कुम्हार पाड़ा, पोखरा चौक, फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबेडकर चौक, डंगाल पाड़ा से जरुवाडीह होते हुए वापस नगर थाना पहुँची।दुमका शहर में रामनवमी के अवसर पर 21 पूजा समितियों द्वारा अखाड़े निकाले जाएंगे। इन सभी को लाइसेंस जारी किया गया है। रामनवमी के दिन महावीरी झंडा लेकर विभिन्न अखाड़ों से निकलने वाले जुलूस में शामिल लोग पारंपरिक हथियारों के साथ करतब दिखाएंगे। एसडीओ कौशल कुमार ने कहा कि शहरी क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर पारा मिलिट्री फोर्स को जगह जगह प्रतिनियुक्त किया गया है। कहा कि अगर दुर्भावना से ग्रसित होकर किसी ने आपसी सौहार्द को बिगाड़ना चाहा तो संबंधित शख्स पर ठोस कार्रवाई की जाएगी। सभी अखाड़ा समिति से स्वयंसेवको की सूची मांगी गयी है। आग से जुड़ी किसी तरह की करतब पर रोक लगा दी गयी है। डीजे नही बजाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने लोगो से शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी मनाने की अपील की। वही एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने कहा कि विभिन्न चौक चौराहों पर सीआरपीएफ, एसएसबी एवं दुमका पुलिस के जवान प्रतिनियुक्त रहेंगे।

दंडाधिकारियों के साथ पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने सामाजिक सौहार्द के साथ रामनवमी मनाने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य मेला का आयोजन

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। उपायुक्त वरुण रंजन, पुलिस अधीक्षक एच.पी. जनार्दनन व सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित के द्वारा स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया गया। उपायुक्त वरुण रंजन व पुलिस अधीक्षक के द्वारा बारी-बारी से सभी काउंटर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपना सुगर जांच एवं अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित ने अपना बीपी का जांच कराएं। मेले में सैकड़ों लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाया। मौके पर चिकित्सीय सेवा, टीकाकरण, परामर्श, जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी। जांचोपरांत जरूरत अनुसार दवा का भी वितरण किया गया है। लोगों को असुविधा न हो इसके लिए अलग-अलग काउंसलिंग काउंटर बनाए गए थे। स्वास्थ्य मेले में सामान्य चिकित्सा, आंख, कान, नाक, दांत जांच, त्वचा जांच, मलेरिया, कुष्ठ, यक्ष्मा आदि चिकित्सीय सेवा दी गई।

मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, पाकुड़ एमओआईसी डॉ के.के.सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एहतेशाम उद्दीन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, पाकुड़ बीडीओ मो० शफीक आलम एवं एसएमपीओ पवन कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

ग्रामीणों की समस्या से रूबरू हुए

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सासंद विजय हांसदा ने बुधवार को प्रखण्ड क्षेत्र के आधा दर्जन गांव में जन सम्पर्क अभियान चलाया और ग्रामीणों की समस्या से रूबरू हुए. सांसद सुरजबेडा व जामजोड़ी पंचायत के डूमरहीड, वेजनाथपुर,पीपरा, महुलबोना समेत कई गावो का दौरा कर ग्रामीणों की समस्या से रूबरू हुए. वेजनाथपुर गांव में कई वृद्ध महिलाओं ने सांसद से कहा पेंशन नही मिलने व कई बार जनता दरबार व अंचल कार्यालय में वृद्धा पेंशन के आवेदन दिए पर आज तक किसी ने हमारी नही सुनने की शिकायत किया. ग्रामीणों ने कहा की गाँव मे कोई विकास कार्य मुखिया द्वारा नही किया जा रहा है. लोगो ने पेयजल के लिए गांव में डिप बोरिंग करने का मांग किया. सांसद ने कहा हेमन्त सरकार ने महिलाओं के लिए एकल पेंशन योजना की शुरुवात की है. यूपीए सरकार पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए डीप बोरिंग कर घर घर पानी पहुचाने का काम कर रही है. वही जितने वृद लोगो को पेंशन नही मिल रहा है और जो भी समस्या है सभी लोग अपना आवेदन प्रखण्ड अध्यक्ष चरण मुर्मू के पास जमा करे. चरण मुर्मू को सांसद ने अंचल अधिकारी से समस्या का निदान करवाने का निर्देश दिया. सांसद ने डूमरहिर, पीपरा, महुलबोना में भी ग्रामीणों के साथ बैठकर ग्रामीणों की एक एक समस्या सुनी और सम्बन्धित विभाग के अधिकारियो को लोगो समस्या का त्वरित निष्पादन करने का हिदायत दिया. मोके पर जिलाध्यक्ष शयाम यादव. जिला सचिव सुलेमान बास्की, चरण मुर्मू, दीपू , मुखिया रसका हांसदा समेत पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रामनवमी महोत्सव को लेकर प्रखंड बिकास पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाड़ा बाजार में प्रखंड पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी व पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाली गई। जिसमें अधिकारियों के साथ काफी संख्या में पुलिस बल के जवान अमड़ापाड़ा बाजार के विभिन्न सड़कों पर फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च अमड़ापाड़ा थाना से शुरू होकर पूरे अमड़ापाड़ा बाजार तक की गई। इस दौरान प्रखंड बिकास पदाधिकारी व थाना प्रभारी ने कहा की प्रशासन द्वारा लोगों की सुरक्षा के प्रति विश्वास जगाने के लिए यह फ्लैग मार्च निकाला गया है। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने लोगों से शांति तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी महोत्सव मनाने की अपील की उन्होंने कहा कि यहां के लोग शांतिप्रिय हैं सदैव आपसी प्रेम व मिल्लत के साथ प्रत्येक त्यौहार मनाते हैं,रामनवमी में भी लोगों से यही उम्मीद है। प्रशासन ने सुरक्षा के सारे इंतजाम किए हैं लेकिन आप लोगों से अपील है कि शांतिपूर्ण माहौल में रामनवमी महोत्सव मनाए। रामनवमी को लेकर आयोजकों को निर्देश दिया गया है नियमों को ध्यान में रखते हुए रामनवमी जुलूस को निकालेंगे, आज की इस फ्लैग मार्च में प्रखंड बिकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, एसआई प्रेमचंद भगत, जलधर हेम्ब्रम सहित पुलिस बल मौजूद रहे।

रूठो का किया गया निरीक्षण

हिरणपुर (पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पुलिस अधीक्षक पाकुड़ हार्दिक पी जनार्दन और अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित था एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बुधवार को हिरणपुर में दर्जनों मोटरसाइकिल के साथ रामनवमी को लेकर निकाल ले जाने वाले रैली व अखाड़ा जुलूस के रूटों का मेला स्थल से दौरा किया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा रामनवमी उत्सव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद है इसका अवशय आम जनों को मिले ताकि वह सुनिश्चित होकर त्यौहारों का आनंद ले सके इसलिए रूठो का भी निरीक्षण किया गया वहीं पुलिस अधीक्षक ने मेला समितियों को निर्देश दिया कि मेला परिसर में बालू की प्रयाप्त मात्रा व्यवस्था रहना चाहिए, तथा कम से कम पांच छह अग्निशमन यंत्र का व्यवस्था रखने खरीद कर या भाड़ा कर कहे।

नारायणपुर नव युवक संघ समिति का गठन

टाटीझरिया । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। टाटीझरिया प्रखंड के नारायणपुर में रामनवमी पुजा एवं झरपो झांकी ले जाने को लेकर कमिटी का गठन किया गया है। बैठक की अध्यक्षता प्रवील प्रसाद ने किया । बैठक में नव युवक संघ समिति का नाम दिया गया। बैठक में कमिटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष प्रवील प्रसाद, सचिव महेंद्र प्रसाद कुशवाहा, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार यादव एवं उपाध्यक्ष मुकेश पासवान है । समिति में सदस्यों में दीपक प्रसाद, दीपु प्रसाद, शयाम सुंदर प्रसाद,पं कज कुमार, रंजीत राणा, प्रकाश यादव, सुरेश प्रसाद, अशोक पासवान समेत समिति में 26 सदस्य हैं।

रामनवमी को लेकर प्रखंड क्षेत्र में निकाली गई शोभा यात्रा सह मोटर साइकिल रैली

टाटीझरिया । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। टाटीझरिया प्रखंड के झरपो, बेडमका, कोल्हु एवं टाटीझरिया समेत अन्य गांवों में शोभा यात्रा निकाली गई साथ ही झरपो बजरंग दल के द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकाली गई जो झरपो, टटगांवा, नारायणपुर समेत अन्य गांव घुमा। वहीं शोभा यात्रा में गांव के महिला एवं पुरुष शामिल हुआ। उसके साथ ही टाटीझरिया बाबा बालक नाथ से मोटरसाइकिल यात्रा निकाली गई जो टाटीझरिया, डहरभंगा, केसडा, घुघलिया समेत अन्य गांवों का भ्रमण किया। रामभक्त ने प्रखंड क्षेत्र को भक्तिमय बनाने में जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। वहीं रामभक्त ने अपने अपने गांवों में भगवा झंडा लगाने का काम कर रहा है । प्रखंड को भक्तिमय बनाने में मुकेश यादव, राजेंद्र प्रसाद,प्रवील प्रसाद, रवि कुमार, केदार प्रसाद, रंजीत कुमार, मनीष यादव, प्रमोद सिंह, शिबु प्रसाद सोनी, उमेश प्रसाद, मोहन कुमार, उषा रानी, संतोष कुमार, सोनु ठाकुर, सुरज कुमार, कौलेश्वर कुमार,प्रेम कुमार, आनंद कुमार, चेतलाल प्रसाद, रामविलास वर्णवाल,पवन ,आरव कुमारसमेत अन्य है।

रामनवमी पर्व को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया

शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर किया गया अपील, दिए गए कई दिशा निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । अमड़ापाड़ा प्रखंड में रामनवमी पर्व को लेकर स्थानीय बजरंग बली मंदिर से अम्बेडकर चौक (पोखरिया मोड़), मुख्य बाजार, दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न इलाकों में विधि व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च बीडीओ सह सीओ कुमार देवेश द्वेवेदी एवं पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान प्रखण्ड प्रशासन की ओर से जगह-जगह लोगों को रामनवमी त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का संदेश दिया गया। मौके पर बीडीओ सह सीओ कुमार देवेश द्वेवेदी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी लोग रामनवमी पर्व को आपसी प्रेम एवं मिल्लत के साथ हर्षोल्लास, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण माहौल में त्यौहार मनाएंगे। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अनाउंसमेंट के लिए लाउडस्पीकर का प्रयोग किया जा सकता है। जिस क्षेत्र में जुलूस निकाली जाएगी वहां विशेष ध्यान रखा जाएगा व क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था की चाक-चौबंद रहेगी। ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी की जाएगी, साथ ही उन्होंने आम जनों से अपील की है की निर्देशों का पालन करते हुए शांति व्यवस्था को कायम रखने में प्रशासन का सहयोग करें और आपत्तिजनक स्थिति होने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करेंगे। कहीं भी किसी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान देने से बचेंगे।

वहीं पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव ने रामनवी पूजा को लेकर सभी क्षेत्र वासियों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति सोशल मिडिया पर किसी तरह का अफवाह फेलाएंगे तो उस पर सख्त कानून कारवाई किया जाएगा। रामनवमी को लेकर आयोजकों को यह निर्देश दिया गया कि वह नियमों को ध्यान में रखते हुए रामनवमी के जुलूस को निकालेंगे। फ्लैग मार्च के दौरान बीडीओ सह सीओ कुमार देवेश द्विवेदी, पुलिस इंस्पैक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, एसआई अजंता महतो, जलधर हेम्ब्रम, प्रेमचन्द भगत सहित पुलिस के कई जवान शामिल थे।

स्वास्थ मेला का आयोजन हुआ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर (पाकुड़) । सामुदायिक स्वास्थ केंद्र परिसर में बुधवार को को स्वास्थ मेला का आयोजन हुआ. जिसका उद्घाटन अंचलाधिकारी हिरणपुर मनोज कुमार और हिरणपुर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार ने फीता काटकर तथा उप प्रमुख मोहम्मद गनी और डांगापाडा उप मुखिया जब्बार अंसारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

स्वास्थ्य मेले में विभिन्न रोग से सम्बंधित जाँच व उपचार हेतु बिभीन्न ग्यारह काउंटर लगाया गया था.

स्वास्थ मेला में स्टाल में डिजिटल आयुष्मान कार्ड,त्वचा, दांत, टीबी, कुष्ट, गैर संचारी,मातृत्व स्वास्थ, शिशु स्वास्थ, इएनटी, टीकाकरण, परिवार नियोजन व वरिष्ठ नागरिक के लिए अलग अलग काउंटर की व्यवस्था की गयी थी. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में तीन चिकित्सीय दल स्वास्थ कर्मचारियो के सहयोग से 370 लोगो का स्वास्थ जाच स्टेशन हुआ जिसमें ओपीडी 124 मरीज का जबकि एनसीडी 15 मरीज कथा किशोर- किशोरी 55 को जांचों उप्रांत दवा दी गयी. वही डिजिटल आयुष्मान कार्ड नया 32 लोगों का बनाया गया। वही आभा में 72 ने जांच कराया जबकि टीबी मैं 13 व्यक्ति एंटी मैं 13 तथा डायबिटीज में एक व्यक्ति ने अपना जांच कराया। आभा मेले में पहली बार वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ जाँच के लिए अलग से काउंटर लगाया गया था. मेले में उमड़े भीड़ को अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने सम्बोधित करते हुए कहा सरकार सभी लोगो के लिए सभी बीमारियो के इलाज के क्षेत्र में स्वास्थ केंद्र व प्रखण्ड मुख्यालय में सामुदायिक अस्पताल तथा जिला मुख्यालय में सदर अस्पताल संचालित कर रखा है. इसलिए कोई भी बीमारी हो आप लोग बिना इलाज कराए दवा नही ले.

ओझा गुरु व झोला छाप डॉ के चक्कर मे पड़ कर अपने परिजनों को मोत के मुंह मे न धकेले.वही डॉ सुनील कुमार सिंह ने कहा आम से लेकर खास लोगो के लिए इलाज के हमारे चिकित्सा टीम सभी समय ततपर रहता है. सरकार गम्भीर बीमारी के इलाज के आयुष्मान कार्ड दे रही है. गरीब असहाय परिवार आयुष्मान कार्ड से गम्भीर बीमारी का इलाज में पाँच लाख तक लाभ ले सकते है. वही अति गम्भीर बीमारी के इलाज के लिए अब सरकार पाँच लाख से ज्यादा राशि देती है . स्वास्थ्य मेले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीन कार्यरत एएनएम, एमपीडब्ल्यू, एमटीएस, केटीएस व सहिया के अलावे सोनू शर्मा ,राजकुमार गुप्ता, अमित रक्षित, बड़ा बाबू विनोद जी मोहम्मद मारूफ आलम , एएनएम गुंजन कुमारी, पुष्पा कुमारी, आशीष कुमार आर्य ने अहम भूमिका अदा किया.

मतदाता घर बैठे ही जोड़ सकेंगे वोटर कार्ड से आधारः डीडीसी

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। समाहरणालय परिसर पाकुड़ से जागरुकता रथ को उप विकास आयुक्त ने किया रवाना, लोगों से अपील वोटर कार्ड को आधार से करें लिंक। मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर बुधवार को समाहरणालय परिसर से जागरुकता रथ को उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीडीसी ने बताया कि यह जागरुकता रथ जिले के सभी 06 प्रखंडों सहित सभी पंचायतों में जाकर आमलोगों को उनके वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने के लिए जागरूक करेगा।

अपना वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जुड़ने के लिए फार्म-06इ में आवेदन समर्पित कर सकते हैं। इसके अलावा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत पूरे समाहरणालय परिसर में साफ सफाई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वासी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री संजय दास, उपनिर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास समेत अन्य उपस्थित थे।

रामनवमी के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।

पाकुड़ । आगामी रामनवमी पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए उपायुक्त वरुण रंजन एवं पुलिस अधीक्षक एच.पी.जनार्दनन के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल के जवानों ने सिदो कान्हू मुर्मू पाक से गांधी चौक, रेलवे कॉलोनी, सिद्धार्थनगर, स्वामी विवेकानंद चौक, रेलवे मैदान, कृष्णापुरी कॉलोनी, शिवपुरी कॉलोनी एवं छोटी अलीगंज तक फ्लैग मार्च किया गया। मौके पर उपायुक्त वरुण रंजन ने जिलावासियों से आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ रामनवमी पर्व का मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि रामनावमी के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो इसके लिए पाकुड़ पुलिस मुस्तैदी के साथ कार्य कर रही है। असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। विधि व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कारवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ अजीत कुमार विमल, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, अंचलाधिकारी आलोक वरण केसरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी श्री कोशलेश यादव, एसएमपीओ पवन कुमार, थाना प्रभारी मनोज कुमार समेत पुलिस बल के जवान, रेलवे कॉलोनी पाकुड़ के सदस्य मुरारी मंडल, हिसाबी राय, सुशील साहा, सोहन मंडल, रुपेश राम, अनिकेत गोस्वामी एवं अन्य शामिल थे।

कोल कंपनी में रोजगार मुहैया कराने को लेकर युवाओं द्वारा किया गया सड़क जाम 27 घंटे बाद हुआ समाप्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । प्रखंड क्षेत्र के अमड़ापाड़ा पाकुड़ कोल परिवहन पथ पर स्थानीय युवाओं द्वारा कोल कंपनी बीजीआर एवं डीबीएल में रोजगार को लेकर बीते मंगलवार को दोपहर दो बजे से किया गया सड़क जाम 27 घंटे बाद बुधवार को कोल कंपनियों के अधिकारियों के साथ वार्ता के बाद शाम पांच बजे समाप्त हुआ। बताते चलें कि बीते मंगलवार को स्थानीय बेरोजगार युवाओं ने कोल कंपनी बीजीआर, डीबीएल में रोजगार मुहैया कराने को लेकर सड़क जाम कर दिया था। इस दौरान कई बार बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी, थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव ने जाम कर रहे युवाओं को समझाने-बुझाने का काफी प्रयास किया। लेकिन युवा अपनी मांग पर अड़े रहे।

● वार्ता के लिए पहुंचे कोल कंपनी के अधिकारी

सड़क जाम कर रहे युवाओं से वार्ता करने के लिए बुधवार को पुनः बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी, थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, बीजीआर के एचआर संजय बेसरा, डब्लूपीडीसीएल के जीएम रामाशीष चटर्जी जाम स्थल पर पहुंचे और जाम कर रहे युवाओं से वार्ता की। वहीं शाम पांच बजे जाम कर रहे युवाओं ने कोल कंपनी के अधिकारियों को रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर आवदेन दिया । साथ ही युवाओं ने कोल कंपनी को आवेदन की दिशा में पहल करने के लिए 15 दिनों का समय दिया। वहीं कंपनी के अधिकारियों ने रोजगार की दिशा में जल्द ही पहल करने का आश्वासन दिया।

इसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्थानीय को प्राथमिकता देते हुए रोजगार उपलब्ध कराया जाए, सक्षम व्यक्ति को कोल ट्रांसपोर्टिंग दिया जाए, अगर 15 अप्रैल तक कोल कंपनी हमारी मांगों पर विचार नहीं करती तो पुनः आंदोलन किया जाएगा।

मौके पर बाबुरजी किस्कू, मंडल टुडू, वकील किस्कू, अजय कुमार तुरी, आदित्य कुमार, गोपाल पंडित सहित सैकड़ों युवा मौजूद थे।

डीसी/एसपी ने अद्यतन तैयारियों की दी जानकारी, कहा प्रशासन पुरी तरह मुस्तैद

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हज़ारीबाग । रामनवमी को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराये जाने को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक बुधवार को समाहरणालय सभागार में संपन्न हुई है। मौके पर पुलिस मुख्यालय के एडीजी संजय लाथकर के द्वारा हजारीबाग रामनवमी की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। इस क्रम में उन्होंने त्योहार के मद्देनजर प्रशासनिक एवं पुंलिस अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। वहीं निर्धारित प्लान के अतिरिक्त वैकल्पिक प्लान पर भी कार्य करने की सलाह दी।

शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित,सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व सम्पन्न कराने के लिए किए जा रहे कार्यों के संदर्भ में कहा कि ड्रोन के माध्यम से चिन्हित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखें। साथ ही सड़क किनारे टायर ट्यूब के दुकनों के बाहर रखे टायर आदि को हटाने के लिए निदेशित किया। साथ ही जुलूस के दौरान प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पदाधिकारी को वायरलेस सेट के अलावे हेड फोन रखने,पुलिस बल को टॉर्च,सीटी, कंधा माईक, बॉडी प्रोटेक्टर, हेलमेट सहित अन्य आवशयक वस्तुएं से लैस होकर ड्यूटी पर तैनात रहने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्ति स्थल पर तत्कालीन परिस्थिति के आधार पर त्वरित एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेते हुए स्थिति पर नियंत्रण करने एवं कंट्रोल रूम को सूचित करने को कहा। साथ ही विशेष शाखा एवं गुप्तचर के अन्य श्रोत के आधार पर गंभीरता से आगे की कार्रवाई करने तथा हर छोटी मोटी घटनाओं से वरीय अधिकारियों को सूचित करने का बात कही। मौके पर फायर बिग्रेड को आपातकालीन स्थिति में नियंत्रण हेतु पानी रिफिलिंग केन्द्र एवं रूट को चिन्हित कर अवरोध मुक्त रखने का निर्देश दिया।

बैठक में डीआईजी नरेन्द्र कुमार ने पूर्व के घटनाओं एवं अनुभव सहित विशेष शाखा के इनपुट सूचना पर संवेदनशील जगहों पर विशेष सतर्कता बरतने सहित जुलूस के वाहनों के ब्रेकडाउन पर तुरंत रास्ते से हटाने के लिए क्रेन व मेकनिक की व्यवस्था करने को कहा। इसके अतिरिक्त जुलूस समाप्ति के उपरांत वापसी के क्रम में जबतक जुलूस अपने-अपने अखाड़ा तक न पहुंच जाये तब तक जवानों को स्कॉट एवं मुस्तैद रहने को कहा गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे ने रामनवमी-2023 के बाबत प्रशासनिक एवं पुलिस टीम के द्वारा जुलूस मार्ग का सत्यापन, दण्डाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी व जवान की तैनाती, दंगा नियंत्रण उपकरणों को अपडेट,अतिरिक्त बलों की तैनाती, बलों के अवासान व भोजनादि आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निषेधात्मक कारवाई के तहत लगभग 5 हजार लोगों पर धारा 107 तथा 2200 लोगों पर बॉण्डडाउन की कार्रवाई की गई है। वहीं थाना प्रभारी अपने क्षेत्र से सभी जुलूसों का कोडिंग कर जुलूस के साथ-साथ चलेंगे एवं आपत्तिजनक गानों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को नियंत्रित करेंगे। उन्होंने कहा बाहर जिलों से आये लॉज एवं हॉस्टल में रह रहे विद्यार्थियों का सत्यापन करा लिया गया है। इसके अतिरिक्त बाहर से आने वाले एवं होटल में रह रहे प्रत्येक आगन्तुकों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

● हर छोटी मोटी सूचनाओं/घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश

मौके पर उपायुक्त नैंसी सहाय ने बताया कि जुलूस के रूट मार्ग का सत्यापन कर अवरोध मुक्त रखने, अखाड़ों के साथ लगातार बैठक करने सहित नागरिक सुविधाओं के तहत सात चिन्हित स्थानों पर अग्निशामन, वाटर टैंक, मेडिकल, शौचालय, एम्बुलेंस, अनुभवी मजिस्ट्रेटो की प्रतिनियुक्ति, सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन कैमरा, बा-ईक पेट्रोलिंग आदि व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने बताया कि डीजे को पूर्ण प्रतिबंधित किया गया है साथ ही अखाड़ों के वॉलेंटियर सहित प्रशासन के सहयोगियों के पहचान के लिए आइडी कार्ड एवं जर्सी का वितरण किया गया है।

बैठक में एडीजी पुलिस मुख्यालय, डीआईजी, डीसी, एसपी सहित डीडीसी प्रेंरणा दीक्षित, सहायक समाहर्ता शताब्दी मजूमदार, एसडीओ बर-ही/सदर, एसडीपीओ, डीएसपी, अंचलाधिकारी सहित थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक झारखण्ड देखो खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, राजगीर (नालन्दा, बिहार) में नेशनल सेमिनार सम्पन्न

- यह आवश्यक हो गया है कि हम अपने स्व को जागृत,प्रवर्तित और प्रतिष्ठित करें : प्रो.डा. राजीव रंजन
- बिहार के गुमनाम नायकों के बारे मे जानने के लिए शोध आवश्यकः शैलेश कुमार
- युवा शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें पुरस्कृत करने की आवश्यकताः डॉ.दिनेश नारायण वर्मा

झारखंड देखो(प्रतिनिधि)।

दुमका। इतिहास विभाग गवर्नमेन्ट डिग्री कालेज,राजगीर(नालन्दा) बिहार एवं इतिहास संकलन समिति,बिहार के संयुक्त तत्वावधान में बेहद शैक्षणिक माहौल में इस कालेज का पहला नेशनल सेमिनार 26-27 मार्च 2023 बड़े ही शानदार ढंग से सम्पन्न हो गया। 26 मार्च को इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर (विरायतन,राजगीर) में बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और पार्षद रीना देवी द्वा-रा दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किये जाने और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,नयी दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव प्रो.डा.राजीव रंजन, इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय महामंत्री डा.बालमुकुन्द पाण्डेय,पाटलिपुत्र विवि. के कुलपति डा.आर.के. सिंह और इसके इतिहास विभागाध्यक्ष सह संकायाध्यक्ष प्रो.डा.राम किशोर सिंह (प्राचार्य) आदि ने सेमिनार में अपने विचार रखे। तत्पश्चात आयोजित शैक्षणिक सत्रों में स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के आन्दोलनकारियों की अग्रणी भूमिका पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापको और शोध विद्वानों ने अपने आलेख प्रस्तुत किये।प्राप्त जानकारी के अनुसार इन सत्रों में कुलपति डा. आर.के. सिंह सहित अधिकांश शिक्षकों की उपस्थिति में प्रस्तुत किये गये आलेखों पर चर्चा हुई। स्टडी एडं रिसर्च सेंटर (चांदमारी रोड, रामपुरहाट, वीरभूम ,पश्चिम बंगाल) के संस्थापक निदेशक डा.दिनेश नारायम वर्मा (अवकाश प्राप्त प्राध्यापक) ने संताल आन्दोलन (संताल विद्रोह) 1855-1856 के अनेक गुमनाम नायकों और उनके क्रांतिकारी योगदान को सेंमिनार में प्रस्तुत किया और बताया कि साम्राज्यवादियों की नजर में इसके कई गुमनाम नायक इसके मुख्य नायकों की तुलना में अधिक खतरनाक,चुनौतिपूर्ण और लड़ाकू प्रवृति के थे।कुलपति ने डा.वर्मा के शोध कार्य की प्रशंसा की और अपनी शुभकामनाएं दी। प्राप्त सूचनानुसार विभिन्न सत्रों के आयोजन से कालेज का माहौल पूरी तरह से शैक्षणिक हो गया जिसमें अन्य विश्वविद्यालयों से सेमिनार में पहुंचे प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने अहम योगदान किया। सेमिनार के दूसरे दिन 27 मार्च को आयोजित विभिन्न शैक्षणिक सत्रों और समापन समारोह में भी कालेज के शिक्षक,शोधार्थी,प्रतिभागी और छात्र- छात्राओं की शानदार उपस्थिति से कथित शैक्षणिक माहौल अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। मौके पर प्रोफेसर डा. रत्नेश अमन (नालन्दा),प्रोफेसर डा.पंकज कुमार राय(मुजफ्फरपुर) ,इतिहास संकलन समिति,बिहार के महासचिव शैलेश कुमार, प्राचार्य डा. शशिभूषण पाण्डेय और इतिहास विभागाध्यक्ष सेमिनार के संगठन सचिव प्रो. डा.धीरेन्द्र उपाध्याय ने बिहार में आन्दोलनकारियों की स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका की व्यापक चर्चा की। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए डा.वर्मा नें प्रोफेसर डा. अभयानन्द सिन्हा, समन्वयक, नेशनल सेमिनार सह कुलसचिव,पाटलिपुक्ष विवि.,कालेज के प्रिंसिपल डा. शशिभूषण पाण्डेय, इतिहास संकलन समिति, बिहार के महासचिव शैलेश कुमार, इतिहास विभागध्यक्ष व सेमिनार के संगठन सचिव प्रो.डा.धीरेन्द्र उपाध्याय और इतिहास संकलन समिति,बिहार के सह-सचिव व कार्यालय प्रमुख राहुल कुमार झा(गोल्ड मेडालिस्ट,रिसर्च स्कालर) के शैक्षणिक प्रयासों की प्रशंसा कीऔर कहा कि यह उनके प्रयासों का ही प्रतिफल है कि महज चार वर्ष पूर्व 2019 में स्थापित इस कालेज ने नेशनल सेमिनार आयोजित करने में बेजोड़ कीर्तिमान स्थापित की ।उन्होंने युवा शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें पुरस्कृत करने की सलाह दी और उनके सही मर्गदर्शन किये जाने की आवश्यकता बतायी। डा.वर्मा ने कहा कि इस सम्बन्ध में कालेज और इसके शिक्षकों,शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं द्वारा स्थापित शैक्षणिक मापदंड से दूसरे कालेजों का प्रोत्साहित होना निश्चित है। इसके पूर्व प्रिंसिपल प्रो.डा.झा ने डा.वर्मा को शाल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आइसीएचआर,नयी दिल्ली से प्रायोजित इस सेमिनार के पांच शैक्षणिक सत्रों में लगभग डेढ सौ से अधिक शोध आलेख प्रस्तुत किये गये जबकि मौके पर विमोचित स्मारिका में लगभग एक सौ तीस शोध सारांश प्रकाशित हैं। समापन समारोह के पूर्व अयोजित शैक्षणिक सत्रों में अनेक प्रतिभागियों ने अपने शोध आलेख प्रस्तुत किये और इन पर आयोजित बहस में अहम योगदान किया।पाटलिपुत्र विवि.के शोधार्थी राहुल कुमार झा ने घोघरडीहा(बिहार) के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी जगनारायण झा और डा.गोपाल प्रसाद (पटना) ने नेशनल मुवमेंट में बिहार और राजेन्द्र कुमार के योगदान को रेखांकित किया जबकि जयश्री (पटना) ने बिहार के कई स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका की शोधपरक और सारगर्भित विवेचना की। मगध विवि.बोध गया की रिसर्च स्कालर कीर्तिमा सिंह ने लिडरशिप आफ लोकल हेरोज इन फ्रीडम मुवमेंट की बड़ी सुन्दर विवेचना प्रस्तुत की और इतिहास के पन्नों से बंचित नेताओं और क्षेत्रीय कल पर प्रकाश डाला जबकि बी. एम.कालेज, रहिका,मधुबनी के डा. रावत कुमार ने बिहार के जन आन्दोलन में गांधीजी की भूमिका की समीक्षात्मक डीका -टिप्पणी की और इसके अनेक पहलुओं को स्पष्ट किया। इतिहास विभाग,मगध विवि. के रिसर्च स्कालर बबलुकांत झा ने स्वतंत्रता कालीन मधुबनी की विवेचना की और इसके सांस्कृतिक पहलुओं के आलोक में स्वतंत्रता संग्राम में इसके सपूतों के योगदान को स्पष्ट किया जबकि इसी विवि. के एक अन्य शोधार्थी शयामसुन्दर कुमार ने ब्रिटिश सत्ता की खिलाफत में बिहार के जनजातीय आन्दोलनों को एक अग्रदूत में प्रस्तुत किया और इसके अधारभूत पहलुओं की विवेचना की।इसी विवि. के शोधार्थी जितेन्द्र कुमार ने अपने आलेख में बिहार के युवाओं में स्व का जागरण और भारत छोड़ो आन्दोलन 1942-1943 में उनके योगदान की समीक्षा की और बताया कि भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के विभिन्न चरणों विशेष कर भारत छोड़ो आन्दोलन में बिहार के युवा वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण था।अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने शोध आलेख प्रसुत्त किये। मौके पर अथितियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन कालेज के प्रिंसिपल डा.शशिभूषण पाण्डेय और मंच का संचलन प्रोफेसर डा. धीरेन्द्र उपाध्याय ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनपुर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन

- लगाए गए स्टाल में मरीजों ने जाकर स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर चिकित्सा एवं विशेष डॉक्टरों से ली सलाह और कराया अपना इलाज

मोहनपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग झारखंड सरकार के निर्देश पर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले इसे लेकर बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनपुर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया । स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन होने से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हुए। स्वास्थ्य मेला में मरीजों समस्याओं के समाधान के लिए समान चिकित्सा, बाल स्वास्थ्य ,मातृत्व स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, कुष्ठ निवारण ,आंखों की जांच, मोतियाबिंद जांच, पोषण परामर्श, टीकाकरण ,मलेरिया, मलेरिया नियंत्रण ,टीवी नियंत्रण ,संचारी गैर संचारी रोग ,कैंसर नियंत्रण, वरिष्ठ नागरिक, स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श व्यक्तिगत पर्यावरण ,स्वास्थ्य किशोर -किशोरी स्वास्थ्य ,भारतीय चिकित्सा, आयुर्वेद यूनानी योग ,आयुष्मान भारत सहित विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाया गया। वही अलग-अलग स्टॉल में जाकर मरीजों ने अपनी समस्या समस्याओं को लेकर चिकित्सक एवं विशेष डॉक्टरों से सलाह ली और अपना इलाज कराया वहीं स्वास्थ्य मेला में मरीजों को राज्य सरकार की सभी लोग कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर प्रखंड की सहिया, सेविका एवं स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

पर्यवेक्षिका सालंती हेंब्रम ने अपने सेक्टर क्षेत्र के आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ की मासिक समीक्षा बैठक

मधुपुर। मधुपुर बाल विकास परियोजना सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ बाल विकास परियोजना के पर्यवेक्षिका निवेदिता नटराजन ने अपने सेक्टर 4, 7 और 2, 8 सेविकाओं के साथ मासिक समीक्षा बैठक की मौके पर मौके श्रीमती हेंब्रम ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को निर्देश देते हुए कही के 20 मार्च से मनाएं जा रहे पोषण पखवाड़े 3 अप्रैल तक मनाया जाएगा सभी आंगनबाड़ी सेविका अपने आगनबाडी क्षेत्र में पोषण पखवाड़े बनाने कुपोषित बच्चों की पहचान कर इसे MTC सेंटर सेंटर भेजने का निर्देश दिया गया! सभी पंजियो की रखरखाव बेहतर करने का निर्देश दिया! सत प्रतिशत सेविकाओं की बैठक में उपस्थिति टीकाकरण ड्यू लिस्ट वजन लंबाई ग्रोथ चार्ट का निरीक्षण किया गया! साथ में उन्होंने बेहतर आंगनबाड़ी संचालन को लेकर कई टिप्स दिए उन्होंने कहा के समय पर आंगनबाड़ी का संचालन करें साफ सफाई पर खास ध्यान दें और पोषण ट्रैकर के तहत सभी बच्चों लाभार्थी का ऑनलाइन डाटा में कलेक्ट करें साथ बच्चों का वजन मापी करें साथ ही योग्य लाभार्थी को सावित्रीबाई फुले योजना का लाभ पहुंचाएं इसके लिए अपने अपने क्षेत्र मैं ऐसे लाभार्थियों की पहचान कर इनसे फॉर्म कलेक्ट करें और कार्यालय में जमा करें उन्होंने बताया बेहतर आंगनवाड़ी संचालन के लिए समय पर केंद्र खोलें और बंद करें साथ ही बच्चों को और केंद्र का फोटोग्राफी के द्वारा अटेंडेंस बनाए और इसका क्लिप विभाग को भी उपलब्ध कराएं! बैठक में सेक्टर 4, 7, और 2, 8 के सभी सेविका ए उपस्थित रहे!

तमिलनाडु में ट्रेन हादसे के शिकार अर्जुन का शव आठ दिनों के बाद पहुंचा पैतृक गांव बीचकोड़ा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका/जामा। विगत 20 मार्च को तमिलनाडु से घर लौट रहे बीचकोड़ा निवासी अर्जुन सोरेन की ट्रेन हादसे में मौत के 8 दिन बाद बुधवार को उनका शव पैतृक गांव लाया गया।शव को देखते ही उसकी माता,भाई और 7 वर्षीय पुत्र फफक-फफक कर रो पड़े।शव मिलने के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा संथाली रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया जा रहा है।प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि बीते शनिवार को उनकी माँ चुड़की हांसदा को सहायता स्वरूप तत्काल प्रशासन द्वारा रू 50000 का चेक प्रदान किया गया था और रू 50000 का चेक श्रम विभाग द्वारा पोस्टमार्टम के सर्टिफिकेट मिलने के उपरांत उनकी आश्रित माता को दिया जाएगा। पीड़ित परिवार वालों को हर तरह से प्रशासनिक मदद दी जाएगी।

बता दें कि जामा प्रखंड के बीचकोड़ा गांव के रहने वाले 31 वर्षीय अर्जुन सोरेन की तमिलनाडु में ट्रेन से कट कर सोमवार 20 मार्च को मौत हो गयी थी। अर्जुन सोरेन तमिलनाडु काम करने गया था और वहां से अपने घर बीचकोडा अपने दोस्तो के साथ विगत सोमवार को वापस लौट रहा था,उसी दौरान ट्रेन में ज्यादा भीड़ भाड़ होने के कारण आराकोरम रेलवे पुलिस स्टेशन जिला रानीपैड,मे ही फिसल कर ट्रेन के पटरी में गिर गया और ट्रेन से कट कर मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी।

सामाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर राय ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम तमिलनाडु में कराया गया है। जिसका सर्टिफिकेट डाक द्वारा भेजा जाएगा।।बताया कि मृतक का पिता नहीं है माता एवं भाई का सहारा है।पत्नी बराबर साथ नही रहती है परिवार बहुत गरीब है जिसे उसकी मौत के बाद आश्रितों में माता एवं उनके परिवार को सहायता प्रदान की गई है लेकिन पर्याप्त नहीं है। घर वालों ने प्रशासन से यथासंभव सहायता प्रदान करने की गुहार लगायी है।

उपायुक्त के निर्देशानुसार मुआवजा राशि भुगतान शिविर का हुआ आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार जिला भू अर्जन पदाधिकारी,देवघर की अध्यक्षता में देवघर जिला अंतर्गत सरकार के अतिमहत्वपूर्ण परियोजना झारखंड राज्य के बासुकिनाथ-देवघर मार्ग एन०एच०-114ए के चैनेज कि०मी० 85.081 से कि०मी० 130.835 तक के निर्माण हेतु परियोजना हेतु ग्राम-बांक, थाना सं०-910, 922, मौजा-घोरमारा, थाना नं०-911 एवं मौजा-चितरपोका, थाना नं०-923, थाना-मोहनपुर, अंचल-मोहनपुर, जिला-देवघर के अर्जनाधीन भूमि से संबंधित पंचाटियों को मुआवजा राशि भुगतान हेतु स्थान-पंचायत भवन, बांक, प्रखंड-मोहनपुर में शिविर का आयोजन किया गया। इसके अलावा उक्त तीनों मौजा में कुल-23 पंचाट में लगभग 165 रैयत उपस्थित हुए एवं मुआवजा राशि भुगतान करने हेतु नियमानुसार कुल राशि-25536063/-(दो करोड़ पचपन लाख छतीस हजार तिरसठ) रूपये मात्र भुगतान करने का आदेश दिया गया। राशि-1661338/-(सौलह लाख इकसठ हजार तीन सौ अड़तीस) रूपये मात्र से संबंधित पंचाटियों एवं अन्य में विवाद रहने प्राधिकार न्यायालय, दुमका को भेजने का निर्णय लिया गया। अंचल अधिकारी, मोहनपुर से 05 पंचाटों के मामलों से संबंधित जांच प्रतिवेदन अप्राप्त रहने के कारण कुल-7281727/-(बहतर लाख एकासी हजार सात सौ सताईस) रूपये मात्र का मुआवजा राशि भुगतान नहीं किया जा सका।

बीडीओ ने फीता काटकर किया प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ विभाग के आदेश पर जिले के सभी प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी क्रम में सिविल सर्जन के आदेश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीश्वर परिसर में बुधवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया।मौके पर मेला के आयोजक डॉ कुमार प्रीतम दत्त,डा हर प्रसाद मुखर्जी, डॉ आजाद शेखर पंडित, प्रयोगशाला सहायक सुनील कुमार उपस्थित थे ।मेला में दक्षिण जोल पंचायत के फाजिलपुर गांव की सहिया करुणा मंडल एक नवजात के साथ महिला प्रियंका कुमारी को लेकर पंहुची थी।शिविर में जी एन एम स्टिना बेसरा,चांदना रानी घोष,मधु मंडल,करुणा मंडल,मनीषा पात्र, मीता मंडल ने प्रियंका को किट्स उपलब्ध कराया। मौके पर जी एन एम प्रियंका हांसदा,तूलिका टोपनो, शिल्पी एलेन बारा ने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की।शिविर में बाल विकास परियोजना का अलग स्टाल लगा था।साथ ही मेला में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहियाएं रोगियों को लेकर पंहुची थी। यहां 15 स्टांल लगा कर 399 रोगियों की जांच की गयी।

पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना की रूपरेखा तैयार

- राज्य सरकार पंचायतों को आधुनिक सुविधाओं से करेगी आच्छादित
- मंत्रिपरिषद से मिली मंजूरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। जिला के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने एक रिलीज़ प्रेषित कर जानकारी दिया कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।ताकि ग्रामीण जनता को सरकार द्वारा प्रदत्त सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ मिल सके।इसके लिए ग्राम पंचायत सचिवालय भवन को आधुनिक तकनीक एवं न्यूनतम आधारभूत संरचना और सेवा से आच्छादित किया जायेगा। इस योजना को गति देने के लिए पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण की मंजूरी मंत्रिपरिषद से विगत दिनों मिल चुकी है। अब राज्य के 4345 पंचायतों के सुदृढ़ीकरण का कार्य जल्द प्रारंभ होगा।

- **राज्य सरकार अपने स्तर से कर रही कार्य;-**

योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पंचायतों को वित्तीय संसाधन हेतु 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा से प्राप्त अनुदान की राशि उपलब्ध करायी जाती है, परंतु केन्द्रीय वित्त आयोग की राशि का व्यय भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा निदेशों के अधीन किया जाता है। फलस्वरूप वित्त आयोग की अनुदान राशि से सेवाओं एवं सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना कठिन है। अतः ग्रामीणों को ग्राम पंचायत सचिवालय भवन में आधारभूत संरचना एवं न्यूनतम सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार अतिरिक्त राशि का व्यय नूतन दायित्वों एवं आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से ग्रामीणों को उनके निवास स्थान पर ही समुचित जीवन स्तर एवं सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए करेगी।

- **इंटरनेट और आधुनिक सुविधाओं से किया जाएगा लैस;-**

पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार सभी ग्राम पंचायत सचिवालय भवन से पक्की सड़क तक पहुंच पथ सुनिश्चित करेगी। पंचायत सचिवालय में एक प्रज्ञा केन्द्र स्थापित किया जाएगा। सभी पंचायत सचिवालय में बैंक शाखा, एटीएम, पेमेंट बैंक, इंडियन पोस्टल बैंक की शाखा की स्थापना करायी जायेगी। सभी पंचायत सचिवालय में लगभग 100 एमबीपीएस गति का पोस्टपेड नेट कनेक्शन केबल एवं वाईफाई के माध्यम से इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। वैध विद्युत कनेक्शन,पेयजल, साफ-सफाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था, स्मार्ट एलईडी टीवी, कंप्यूटर,इन्वर्टर अधिष्ठापित किया जाएगा।

यज्ञ के समापन पर भक्ति जागरण , विधायक ने फीता काटकर जागरण का किया शुभारंभ

बिहार के मशहूर गायिका कुमकुम बिहारी के गीतों पर रात भर झूमते रहे लोग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव । प्रखंड के ग्राम सिंदवारी में चल रहे पॉच दिवसीय श्री श्री 1008 श्री पंचमुखीहनुमत लला प्राण प्रतिष्ठा सह महारूद्र महायज्ञ के समापन पर मंगलवार की रात्रि बिहार के मशहूर भक्ति जागरण गायिका कुमकुम बिहारी द्वारा भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बड़कागांव विधानसभा के विधायक अंबा प्रसाद एवं यज्ञ समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू, एवं यज्ञ समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। शुरुआत जितेंद्र द्वारा गाए गए गणेश वंदना से हुई। उसके बाद कुमकुम बिहारी ने एक से बढ़कर एक गीत व नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। दर्शक रात भर रंगारंग कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि मैं यहां एक नेता प्रतिनिधि या विधायक बनकर नहीं आई हूं बल्कि मैं यहां एक बेटी एवं बहन बनकर आई हूं उन्होंने यज्ञ को सफल बनाने के लिए एक समिति के सभी सदस्यों को एवं समस्त ग्रामीणों को धन्यवाद दिया। एक समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू ने कहा कि लगातार पांच दिनों तक शनिवार एवं नगड़ी के ग्रामीणों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे का आयोजन करता हूं को यह समिति की ओर से बधाई दी है। यज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू, सचिव रामस्वरूप कुमार, कोषाध्यक्ष सूरज कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष महेंद्र साहू, उप सचिव उमेश साहू, कोषाध्यक्ष रूपेश कुशवाहा, संरक्षक शंकर महतो, उप संरक्षक राजेश साव, महामंत्री घनशयाम कुमार, उप महामंत्री कृष्णा प्रजापति, संयोजक गोविंद महतो, राहुल कुमार चौरसिया, सुजीत कुमार कुशवाहा, प्रमोद कुमार वर्मा, हीरालाल महतो, शिवदयाल महतो, भीखू साव, अमेरिका साव, छत्रधारी महतो, राजेश साव, दोनु वर्मा, रोहित साव, जितेंद्र कुमार, महेश साव के अलावा सैकड़ों भक्त गणों का अहम योगदान रहा।

समाजसेवी प्रकाश कुमार सिंह ने बेरमों के कई विद्यार्थियों से उनके घर पर मुलाक़ात कर सहयोग प्रदान किया

कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन ढोरी में 1 लाख 50 हज़ार रूपए की लागत का वाटर प्युरीफ़ायर एवं वाटर फिल्टर उपलब्ध कराया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो । बेरमो निवासी एवं सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के निदेशक, प्रकाश कुमार सिंह ने बुधवार को बेरमों के आर्थिक रूप से कमजोर कई विद्यार्थियों से उनके घर पर मुलाक़ात किया एवं उनकी समस्या सुनकर समाधान किया। इस दौरान उन्होंने फुसरो नगर परिषद श्रेत्र के कल्याणी और ढोरी बस्ती के मधुकनारी के अनपति देवी सरस्वती विद्या मंदिर फुसरो एवं बीडीए कॉलेज पिछरी के विद्यार्थियों से मुलाक़ात किया एवं उनका सालाना फ़ीस और शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराया। साथ हीं उन्हें आगे भी मदद करने का भरोसा दिया। इससे पहले प्रकाश कुमार सिंह ने कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन ढोरी में छात्राओं को शुद्ध एवं ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए 1 लाख 50 हज़ार रूपए की लागत का वाटर प्युरीफ़ायर एवं वाटर फ़ल्टिर अपने निजी मद से उपलब्ध कराया। प्रकाश कुमार सिंह शांति श्याम फाउंडेशन के अध्यक्ष भी है।

रामनवमी के अवसर पर शांति,विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देश जारी, नियमों का पालन आवश्यक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

Government of India
Form GST REG-06
(See Rule 10(1))
Registration Certificate
Registration Number: 20AAFCA5098H1Z6

1.	Legal Name	AKHIL CHANDRA CONSTRUCTION COMPANY PRIVATE LIMITED
2.	Trade Name, if any	M/S AKHIL CHANDRA CONSTRUCTION COMPANY PVT
3.	Constitution of Business	Private Limited Company
4.	Address of Principal Place of Business	0, NONIYATAR, SIKITYA, Deoghar, Jharkhand, 815357
5.	Date of Liability	01/07/2017
6.	Date of Validity	From 01/07/2017 To Not
7.	Type of Registration	Regular
8.	Particulars of Approving Authority	Jharkhand Goods and Services Tax Act, 2017

Signature
Name: Nathu Ram Singh
Designation: Deputy Commissioner

देवघर। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई है कि रामनवमी के अवसर पर शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु अपने-अपने क्षेत्र में मुख्य रूप से विषयों से संबंधित विचार-विमर्ष करते हुए अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।रामनवमी का त्यौहार सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाना है।इसको लेकर मुख्य विंदु गंभीरता से लागू किया जाना है जिसमें अफवाह फैलाना,असमाजिक एवं साम्प्रदायिक तत्वों द्वारा साम्प्रदायिक उन्माद फैलाया जाना, विवादास्पद स्थल पर महावीर ध्वज गाड़े जाने अथवा रामनवमी पर्व से संबंधित अन्य कार्यक्रमों को सम्पन्न कराना,अखाड़ा आदि खेले जाने के क्रम में किसी समुदाय विशेष के व्यक्ति अथवा अन्य व्यक्तियों को चोट आदि लगने के कारण किसी समुदाय विशेष व्यक्तियों द्वारा धार्मिक भावना एवं आघात पहुँचाने के कारण,जुलूस के मार्ग से संबंधित विवाद, विशेषतःऐसे मार्गों को लेकर जैसे मस्जिद/ इमामबाड़ा/ईदगाह/कब्रिस्तान आदि धार्मिक स्थल स्थित हों।जुलूस के समय एक समुदाय के सदस्यों द्वारा मस्जिद या अन्य धार्मिक स्थल के बगल से दूसरे समुदाय के धार्मिक जुलूस के गुजरने पर विरोध किया जाना,जुलूस के सदस्यों द्वारा अन्य समुदाय के धार्मिक स्थल या दूसरे समुदाय के सघन आवादी वाले क्षेत्रों में देर तक अखाड़ा जमाने,लाउडस्पीकर बजाने आदि के कारण,जुलूस में शामिल व्यक्तियों द्वारा अश्लील शब्दों या व्यवहार किया जाना,जुलूस के सदस्यों द्वारा उत्तेजक नारे एवं नशे की हालत में अभद्र व्यवहार करना,जुलूस के सदस्यों द्वारा किसी समुदाय विशेष के महिलाओं के उपर छींटाकशी करना,एक ही समुदाय के दो जुलूसों के सदस्यों द्वारा अपने शक्ति प्रदर्षन हेतु स्थान विशेष पर अपना जुलूस अधिक देर तक लगाये रखना आदि पर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। देवघर अनुमण्डल क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के द्वारा किसी भी प्रकार के अश्लील गाने, साम्प्रदायिक नारेवाजी,अपशब्द व अश्लील गाने का प्रयोग,डीजे,साउंड बॉक्स,माईक, लाउडस्पीकर,म्यूजिक सिस्टम आदि के माध्यम से नहीं किया जायेगा साथ ही ध्वनि प्रदूषण रेगुलेशन एंड कंट्रोल नियम 2000 की कंडिका 3(5),बिहार कंट्रोल ऑफ द यूज एंड प्ले ऑफ लाउडस्पीकर एक्ट 1955 की धारा-3 तथा झारखंड म्युनिसिपल एक्ट 2011 के सेक्शन 347 के तहत डी०जे० के प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।कोई भी व्यक्ति वाहन चलाते समय शराब,तेज रफ्तार,ऑडियो सिस्टम, ट्रिपलिंग आदि का प्रयोग नहीं करेंगे एवं हेलमेट व वाहन से संबंधित आवश्यक कागजात अपने पास रखेंगे।कोई भी व्यक्ति उक्त अवसर पर किसी भी प्रकार का हथियार या अस्त्र-शस्त्र का धारण व प्रयोग/प्रदर्षन नहीं करेंगे।रामनवमी के शुभ अवसर पर कभी-कभी विधि-व्यवस्था की गम्भीर समस्या उत्पन्न होने के कारण तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो जाती है।सभी थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी/प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, देवघर अनुमण्डल क्षेत्र को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करते हुए स्वयं भ्रमणसील रहकर सतत निगरानी रखेंगे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हो सके।साथ ही सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर गस्ती करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

गॉड इज वन पब्लिक स्कूल 7 वां स्थापना दिवस सम्पन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो । गॉड इज वन पब्लिक स्कूल संडे बाजार का सातवां स्थापना दिवस समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीसीएल खासमहल कोनार परियोजना के पीओ राजीव कुमार सिंह, जिप सदस्य टीनू सिंह, श्रमिक प्रतिनिधि सुजीत कुमार घोष, आफताब आलम खान, अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल,, सीटू नेता विजय कुमार भोई, वार्ड पार्षद रश्मि सिंह सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया. कार्यक्रम को बोकारो थर्मल थाना के इंस्पेक्टर शैलेश चौहान, संस्था के संरक्षक विवेक कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, फिल्मी गीतों पर नृत्य एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य तथा लघु नाटिका मंचन सहित कई सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई वही अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों के अलावे वार्षिक परीक्षा में सफल छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. संस्था के राजू आध्या तथा मो आरिफ ने गीत प्रस्तुत किए. कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका किरण कुमारी तथा शिव प्रकाश पांडे ने किया. स्वागत संबोधन संस्था के सचिव सरदार इंद्रजीत सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापिका रति रंजना सिन्हा ने किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से नीता सिन्हा, रेनू सिन्हा, रतनलाल, सत्येंद्र सिंह, टीपू महतो, कार्तिक महतो, मुन्ना सिंह, मनोज पासवान, अजय झा, नरेंद्र कुमार, चीकू सिंह, श्याम नारायण सतनामी, मो आरिफ, शिक्षक विमल ताला पात्रों, शिखा मित्रा, सुषमा सिन्हा, रेशमा कुमारी, सनी नायर, रवि शंकर सिन्हा, शकील आलम, ज्योति सिन्हा, बंगाली केवट, मनीद्रपाल सिंह, अल्फ्रेड जोसेफ, सरवन कुमार, अमित सिन्हा, राणा रणधीर सिंह, नीरज सिन्हा, सोनू चक्रवर्ती, राम पुकार राम, गबरु सहित कई लोग उपस्थित थे।

मुर्दों के शहर में

क्यों जो लोग,
औरों के,
भंवड़ों के,
मन के तड़पन से,
द्रवित होते नही,
कभी रोते नही,
गुनाह होते देख भी
कुछ कहते नही,
बात जायज भी
ईमान से रखते नही,
उल्टे वहाँ से,
खामोश, निःशब्द
नजरे बचा खिसक लेते है,
छोड़ तड़पते धड़कनों को,
तोड़ इंसानी बंधनों को,
खुद से जूझने को,
जीने मरने को,
अकेले छोड़ देते है,
आखिर क्यों?
ऐसे में भला,
किससे संवेदना बढ़ाएं?
किस बात से दिल जुड़ाएं?
प्रेम संवेग जगाएं?
भूल गलतियों को,
फिर से गले लगाएं?
जब वो,
स्वार्थ में चूर,
होके मगरूर,
चोरी, लूट, अपहरण, हत्या
गुनाह हज़ार करते है,
क्या अबला क्या विधवा,
मासूमों से बलात्कार करते है
कहीं घपले तो कहीं घोटाले
हर चीज से,
बेईमानी करते है,
खौफ़ नही क्यों जो इतना
कमजोरों पर जुल्म ढाते है?
अफसोस की बात कहे
या कहें इसे दूर्भाग्य कि,
जुल्म के खिलाफ,
लोग डर से,
गाँव-शहर से,
मोहल्ला घर से,
विरोध संबल होता नही,
शायद ?
यही कारण है कि
जिद्द जुल्मियों का है चलता,
फूल चमन का है कुचलता,
शायद उसे पता है ,
जिस बात से हमें खता है ,
कि
जीत यहाँ सच्चाई से नही,
पैसे पर इंसाफ है मिलता,
धिक्कार कहो कि
बदले काम के कमीशन से,
कुव्यवस्था के परमिशन से,
देश दुनिया की गाड़ी है चलती
क्योंकि चरखे की लूट,
औरों के समर्थन का जो
मिलता है अनमोल टॉनिक
बिडंबना कहिये कि,
जिसे देखिये,
जहाँ देखिये,
भड़े पड़े मक्कार यहाँ,
चापलूस गद्दार यहाँ,
जो न केवल
औरों के ,
चोरों के,
इशारे पर है नाचता
दिन दहाड़े,
इंसानियत पर गोली है चलाता ,
बल्कि कहे कि वो,
अब भी,
जाति, धर्म के नाम ,
खून की होली खेलता है,
जिंदा इंसानियत को यूँ,
कफन ओढ़ाता है,
आश्चर्य नही फिर भी गालिब
आगे थम के जरा,
अवसरवाद के खेल तो देखो,
कैसे मतलब से है
लोग आजकल रिश्ते जुड़ाते?
झूठ की है कसमें खाते,
मौका मिला नही कि दोस्त
दोस्त का है गला काटते!
लाभ न मिले तो,
बेटा भी घर से है
माँ- बाप को निकालते!
तंग है दिल,
मुश्किल में है जिंदगी,
किसे कहे अपना,
सजाये सपना,
बेगाने सब सामने खड़ा,
लूटने को घर आबरू
कब से है पीछे पड़ा,
दुश्मन रावण, कंस अड़ा
किससे उम्मीद लगाएं,
विश्वासों की आवाज लगाएं,
नजरों में ऐसा जंचता नही,
सुन ले जो कोई ,
आवाज मेरी
दमित राज मेरी,
कोई सरताज मेरा,
बस,
ग़र कहीं से,
कुछ आती है तो ,
आती है भ्रमित बातें ,
जी बहलाने की बातें,
अचेतन की दमित इरादें ,
जिसका कोई वजूद नही,
यथार्थ कोई सबूत नहीं,
ठीक वैसे ही,
जैसे मुर्दों से ,
बनती कोई बात नही,
यूँ मानों शहर मुर्दों का है,
जहाँ दिलों में,
जिंदादिली की संवेदना नही ,
स्पंदन नही,
निःस्वार्थ क्रन्दन नही,
खुदा के माथे चंदन नही
मंदिर में वंदन नही,
है शेष तो
भ्रम है, विभ्रम है
मानों इंसानों की बस्ती नहीं,
मुर्दों का श्मशान है,
श्मशानघाट है कोई.

प्रस्तुति

डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका.

संक्षिप्त समाचार

महा रामनवमी पूजा के शुभ अवसर पर सिकरी में आज भव्य जागरण का आयोजन

बड़कागांव । बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी गांव में राम नवमी पूजा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। पिछले 03 वर्षों से वैश्विक महामारी कोरोना के कारण मेला प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो पा रहा था। लेकिन इस बार कोरोना काल से उबरने के बाद ग्रामीणों तथा समिति के पदाधिकारियों के विचारोंपरांत यह निर्णय लिया गया कि इस बार नवमी तिथि की रात्रि तथा दशमी तिथि के मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। इसकी जानकारी समिति के अध्यक्ष श्री सत्येंद्र पासवान के द्वारा बताया गया कि नवमी तिथि की रात्रि को कानपुर उत्तर प्रदेश के जागरण मंडली के द्वारा भव्य जागरण की प्रस्तुति की जाएगी और दशमी तिथि के मेले में दोपहर 2:00 बजे से आर्केस्ट्रा प्रोग्राम का आयोजन होना सुनिश्चित है।

पेयजल की समस्या को लेकर उपमुखिया ने प्रबंधन से की वार्ता

निरसा । जामदही पंचायत के उप मुखिया कल्पना दास ने पेयजल, सड़क एवं हैवी ब्लास्टिग को लेकर मंगलवार को लायकडीह में कोलियरी प्रबंधन के साथ वार्ता की। एजेंट पी बनर्जी ने सभी समस्याओं को जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया। मौके पर कार्मिक प्रबंधक के पान, उपमुखिया कल्पना दास, राजेश दास, बबलू दास, गौरचंद्र धीवर, चंदन बाउरी, राजेश राउत एवं ग्रामीण मौजूद थे।

बीसीकेयू ने की सभा, एजेंट को सौंपा ज्ञापन

निरसा । ईसीएल मुगमा एरिया के कालीमाटी, मेताडीह खदान के समक्ष मंगलवार को बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (बीसीकेयू) की आम सभा हुई। इस दौरान यूनियन ने एजेंट को दस सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। जिसमें कहा गया कि मेताडीह खदान में नया एसडीएल देकर तीनों पाली में उत्पादन कार्य चालू किया जाए, मजदूरों को हरहाल में प्रत्येक माह के दो तारीख तक पेस्लिप व पेमेंट भुगतान करना होगा। कहा कि आरओ मशीन लगाकर चापापुर कोलियरी वासी एवं मजदूरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। सभा की अध्यक्षता डी मानिकपुरी और संचालन परेश सोरेन ने किया। मौके पर अमीत मुखर्जी, कासीम अंसारी, शिबु माहतो,बोदीनाथ सोरेन, मनभुल खान, सलिम मियां,धनेश्वर सिंह, कमल कर्मकार, सुबल तिवारी, तिलाराम मुदी, बबलू मुदी, वामापद बाउरी, काजल गोराई, कलीम मियां, उपेन्द्र महतो, डी. मानिकपुरी, परेश सोरेन सहित काफी संख्या में मजदूर साथी उपस्थित थे।

कोलियरी प्रबंधन को मांग पत्र सौंप कर दी चेतावनी

निरसा । बीसीसीएल सीवी एरिया बारह क्षेत्र के झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन (जेसीएमयू) ने बुधवार को लायकडीह कार्यालय में परियोजना पदाधिकारी को आठ सूत्री मांग पत्र सौंपा। कार्यालय के समक्ष यूनियन नेताओं ने विरोध जताया। यूनियन ने कहा कि दस दिनों के अंदर मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। कोलियरी का चक्का जाम कर दिया जाएगा। मौके पर यूनियन अध्यक्ष विकास भंडारी, सचिव निर्मल कुंभकार,जोनल संगठन सचिव गोपिन टूडू, उपाध्यक्ष जितेन बाउरी, सहदेव टुडू, दुर्गा टुडू के नेतृत्व में तपन प्रमाणिक, असीत सहीश, संतोष सहीश, सुकांतो हांसदा, पूर्व अध्यक्ष जलेश्वर मुर्मू, सुशील मुर्मू, सद्दाम वर्षी, जाकीर अंसारी, रामकुमार मरांडी, जाहीद अंसारी, हेमलाल मरांडी आदि थे।

नशा मुक्त अभियान चलाने का निर्णय

निरसा। भारत सरकार की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व ब्रह्माकुमारी संस्था ने संयुक्त रुप से नशा मुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया है। निरसा ज्ञान विज्ञान भवन में बुधवार को दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुभारंभ की गई। नशा मुक्त करने का शपथ ली गई। लघु नाटक के माध्यम से जागरुक किया गया। राजयोग मेडिटेशन भी कराया गया। पूरे भारत में 3 वर्ष में 10 करोड़ लोगों को नशा से मुक्त करने का अभियान चलाया जाएगा। मौके पर डॉ सुनील कुमार डॉ अवंतिका, आईएमए प्रमुख डॉ ए के सिंह, डॉ अमित प्रकाश, डॉ निहारिका, आर एन सिंह, पतंजलि समिति की ओर से मंजीत सिंह, मनोज सिंह, ब्रह्माकुमारी की जया बहन,शक्ति बहन, ज्योति बहन, अनन्या बहन, साधु भाई, सुभाष भाई, सुजीत भाई, विश्वजीत भाई, पुरुषोत्तम भाई, मीरा बहन आदि थे।

कोलियरी प्रबंधन को मांग पत्र सौंप कर दी चेतावनी

निरसा । बीसीसीएल सीवी एरिया बारह क्षेत्र के झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन (जेसीएमयू) ने बुधवार को लायकडीह कार्यालय में परियोजना पदाधिकारी को आठ सूत्री मांग पत्र सौंपा। कार्यालय के समक्ष यूनियन नेताओं ने विरोध जताया। यूनियन ने कहा कि दस दिनों के अंदर मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। कोलियरी का चक्का जाम कर दिया जाएगा। मौके पर यूनियन अध्यक्ष विकास भंडारी, सचिव निर्मल कुंभकार,जोनल संगठन सचिव गोपिन टूडू, उपाध्यक्ष जितेन बाउरी, सहदेव टुडू, दुर्गा टुडू के नेतृत्व में तपन प्रमाणिक, असीत सहीश, संतोष सहीश, सुकांतो हांसदा आदि थे।

आडंबर :- 'झूठे दिखावे की प्रवृत्ति घातक'

आडंबरयुक्त झूठा जीवन कभी सुख नहीं देता। अत: झूठी शान-शौकत के चक्कर में पड़कर नुकसान उठाना गलत ही है। इससे कुछ समय को भले ही आप खुश हो लें, पर इसके परिणाम दुखदायी ही होते हैं। झूठा दिखावा और झूठा बड़प्पन कुछ देर तो खुशी देता है, परंतु अंत में बहुत दु:ख होता है। इसलिए इससे बचना चाहिए। देखा गया है कि बहुत-से लोग अपनी 'क्षमता' या 'सामर्थ्य' को भूलकर अमीरों की नकल करते हैं। अमीरों के पास जैसी सुख-सुविधाएँ हैं, वैसी ही सुख-सुविधाएँ प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। पहनावे और बोलचाल में भी उनकी नकल करते हैं। भले ही इसके लिए उन्हें कर्ज ही क्यों न लेना पड़े। दरअसल, नकल करने की यह प्रवृत्ति सभी लोगों में पाई जाती है, परंतु जो लोग अपने सामर्थ्य को भूलकर अंधानुकरण करते हैं,वे बाद में बहुत कष्ट पाते हैं। कर्ज लेकर शौक पूरे करने की प्रवृत्ति घातक होती है। अपनी सामर्थ्य से अधिक लिया गया कर्ज इंसान का सुख-चैन छीन लेता है। ...वह तनाव भरा जीवन जीता है और अपने साथ अपने परिवार को भी दु:ख और परेशानियों में डाल देता है। बहरहाल, ऊँचे सपने देखना अच्छी बात है, परंतु उन सपनों को पूरा करने के लिए अपने में सामर्थ्य भी बढ़ाना चाहिए। तीव्र इच्छा-शक्ति रखकर कठोर परिश्रम करने का स्वभाव बनाना चाहिए, तभी सपने सच हो पाते हैं। सामान्य दशा में जितनी बड़ी चादर हो, उतने ही पैर फैलाना बुद्धिमानी है। आजकल केवल रहन-सहन में ही नहीं, बल्कि रिश्तों के मामले में भी लोग नकली व्यवहार करने लगे हैं। यहां तक कि प्यार जैसी कोमल और सच्ची भावना में भी अब दिखावे की मिलावट हो रही है। आज की युवा पीढ़ी में रिश्तों के प्रति पहले जैसी ईमानदारी नज़र नहीं आती। लोग मन ही मन दूसरों के बारे में बुरा सोचते हैं पर उनके सामने अच्छा बने रहने का ढोंग करते हैं। झूठ की बुनियाद पर टिके ऐसे रिश्ते नकली और खोखले होते हैं, इसीलिए वे जल्द ही टूट भी जाते हैं। अगर समाज में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है तो इसकी वजह क्या है? आज लोगों को पहले की तुलना में पैसे कमाने के ज़्यादा विकल्प मिल रहे हैं। पहले लोग अपनी सीमित आमदनी में भी संतुष्ट रहना जानते थे। अब वे सोचते हैं कि हमारे पास और क्या होना चाहिए, जिससे समाज में हमारा स्टेटस ऊंचा नज़र आए। काफी हद तक ईएमआइ की सुविधाओं ने भी लोगों में दिखावे की इस आदत को बढ़ावा दिया है। दूसरे के पास कोई भी नई या महंगी चीज देखकर लोगों के मन में लालच की भावना जाग जाती है। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल साइट्स की वजह से भी युवाओं में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। रिलेशनशिप को भी सोशल साइट्स पर दूसरों को दिखाने के लिए ही अपडेट किया जा रहा है। हम अपनी सभी गतिविधियों को वहां साझा करके चर्चा में बने रहना चाहते हैं। अब लोग रिश्तों के मामले में भी दिखावा करने लगे हैं। जीवन में अब पहले जैसी सहजता नहीं रही। इसी समाज का हिस्सा होने के कारण जाने-अनजाने हम सब इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए हमें सचेत ढंग से ऐसी आदत से बचने की कोशिश करनी चाहिए।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

क्या कांग्रेस को मिल गई मनचाही मुराद

मानहानि मामले में राहुल गांधी को दो वर्ष की सजा सुनाए जाने और इसी वजह से उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द होने की तात्कालिक व्याख्या राजनीतिक आपदा के रूप में की जा सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, पर राहुल कांग्रेस के स्वाभाविक और सर्वस्वीकार्य नेता हैं। भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि सुधरती दिखाई दी और कांग्रेस उत्साहित नजर आई। उत्साह इतना ज्यादा था कि कांग्रेस ने विपक्षी एकता की कवायद में जुटे क्षेत्रीय दलों को तेवर दिखाने भी शुरू कर दिए। लेकिन जिन राहुल के चेहरे के सहारे यह किया गया, वह न सिर्फ संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं, बल्कि उनके आठ साल तक चुनाव न लड़ पाने की भी स्थिति है। ऊपरी अदालत से राहत न मिलने की स्थिति में जब राहुल चुनाव तक नहीं लड़ पाएंगे तो प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का सवाल ही नहीं उठता।

कैसी आपदा, कितना अवसर

ऐसे में सवाल यह है कि क्या कांग्रेस इस कानूनी आपदा को राजनीतिक अवसर में बदल पाएगी? यह आसान तो किसी भी सूरत में नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस की संभावनाएं मानहानि मामले में कानूनी लड़ाई की परिणति पर भी निर्भर करेंगी:

-अगर ऊपरी अदालत राहुल गांधी की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगा देती है तो उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हो जाएगी। उस स्थिति में वह आने वाले चुनाव लड़ने के लिए भी स्वतंत्र होंगे ही।

-अगर कानूनी कार्यवाही की अंतिम परिणति दोषमुक्ति या सजा कम हो जाने के रूप में हुई, तब भी कांग्रेस को राहुल को लोकतंत्र और जन संघर्ष का नायक बताते हुए नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी के विरुद्ध आक्रामक राजनीतिक अभियान चलाने का अवसर मिल जाएगा।

विदेश में राहुल गांधी ने देश के हालात के बारे में जो कहा, उससे असहमति हो सकती है, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि वह मोदी सरकार पर सबसे तीखा हमला करने वाले विपक्षी नेता हैं। सच यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच कमेटी बना दिए जाने के तर्क के सहारे भले ही केंद्र सरकार जेपीसी बनाने से इनकार करती रहे, पर अडाणी प्रकरण में जो तथ्य सामने आ रहे हैं और सत्तापक्ष जिस तरह इस विवादास्पद औद्योगिक घराने का बचाव कर रहा है, उससे संदेह के साये गहरे ही हो रहे हैं। नहीं भूलना चाहिए कि चुनावी राजनीति में सच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण और प्रभावी जन धारणा होती है।

-यह जन धारणा का ही परिणाम था कि राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत से बनी सरकार बोफोर्स के बवंडर में न सिर्फ हिल गई, बल्कि चुनाव में ढह भी गई थी।

-तब 1437 करोड़ रुपये के बोफोर्स तोप सौदे में 60 करोड़ रुपये घूस का आरोप लगा था और सोनिया गांधी के मूल देश इटली के व्यापारी ओटावियो क्वात्रोची के सहारे विपक्ष ने प्रधानमंत्री को संदेह के दायरे में खड़ा कर दिया था।

-राजीव संसद से सड़क तक सफाई देते रहे कि स्वीडन से हुए बोफोर्स सौदे में कोई दलाली नहीं दी गई, पर उन्हीं के बागी मंत्री वी पी सिंह समेत विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों से जन धारणा बनी कि दाल में कुछ तो काला है।

-राजा नहीं फकीर है,भारत की तकदीर है- के नारों के बीच वी पी सिंह तो जन सभाओं में अपने कुर्ते की जेब में हाथ डालते हुए दावा करते थे कि दलालों के नाम उनके पास हैं, एक बार सरकार बन जाए तो सार्वजनिक कर देंगे।

-विपक्षी एकता और बीजेपी-वाम मोर्चा के समर्थन से वी पी सिंह सरकार बनी, और लगभग एक साल चली भी, लेकिन बोफोर्स दलालों के नाम पता नहीं चले। हां, जीवन के अंतिम चरण में वही वी पी सिंह, सोनिया गांधी की प्रशंसा अवश्य करते सुने गए।

-इस बीच केंद्र में विभिन्न दलों की सरकारें आई-गईं, अदालतों में जांच एजेंसियों के सुर भी उनके अनुसार बदलते रहे, पर क्या आज भी कोई सप्रमाण बता सकता है कि बोफोर्स में किसको कितनी दलाली दी गई?

-अब मानहानि मामले की दूसरी परिणति की संभावना की बात करते हैं। राहुल गांधी के दोषारोपण और सजा के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील की बात तो स्पष्ट तौर पर कही जा चुकी है, पर वहां से अपेक्षित राहत नहीं मिली तो? कांग्रेस के अंदर एक वर्ग हमेशा प्रियंका गांधी-वाड्रा को आगे लाने की फिराक में रहता है। फैसला तो कांग्रेस को या स्पष्ट कहें तो सोनिया गांधी को ही करना है, पर ऐसा करना पार्टी के लिए अंतत: आत्मघाती ही साबित होगा।

-कांग्रेस पर लगता रहा परिवारवाद का ठप्पा गांधी परिवार के बाहर से कांग्रेस अध्यक्ष की राहुल की जिद से बमुश्किल हटा है।

-प्रतीकात्मक रूप से ही सही, चुनाव से आंतरिक लोकतंत्र का संदेश भी गया है।

-प्रियंका को राहुल की जगह लाने से सब किए-कराए पर पानी फिर जाएगा।

-रॉबर्ट वाड्रा के रूप में बीजेपी को एक चिर-परिचित हथियार कारगर हमले के लिए मिल जाएगा, सो अलग।

शहादत का फायदा

ऐसे में राहुल को लोकतंत्र और जन संघर्ष के लिए शहीद के रूप में पेश करते हुए नेतृत्व का दावा किए बिना ही विपक्षी एकता की धुरी बनने की पहल कांग्रेस के लिए राजनीतिक और रणनीतिक रूप से समझदारी होगी। चुनाव लड़ने से वंचित और किसी पद की दावेदारी के बिना ही मोदी और बीजेपी के विरुद्ध अग्रणी आक्रामक प्रचारक के रूप में राहुल ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं। विपक्ष के सबसे बड़े नेता तो इस क्रम में वह बन ही जाएंगे। राजनीति में आठ साल बहुत लंबा अरसा नहीं होता। एक बार कांग्रेस की साख बहाल हो गई तो देर-सवेर राहुल की राजनीतिक संभावनाएं भी बन ही जाएंगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, पर राहुल कांग्रेस के स्वाभाविक और सर्वस्वीकार्य नेता हैं। भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि सुधरती दिखाई दी और कांग्रेस उत्साहित नजर आई। उत्साह इतना ज्यादा था कि कांग्रेस ने विपक्षी एकता की कवायद में जुटे क्षेत्रीय दलों को तेवर दिखाने भी शुरू कर दिए। लेकिन जिन राहुल के चेहरे के सहारे यह किया गया, वह न सिर्फ संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं, बल्कि उनके आठ साल तक चुनाव न लड़ पाने की भी स्थिति है। ऊपरी अदालत से राहत न मिलने की स्थिति में जब राहुल चुनाव तक नहीं लड़ पाएंगे तो प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का सवाल ही नहीं उठता।

दैनिक पंचांग

30 मार्च 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.45 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.23 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.36 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.52 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.04 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.15 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	21.30 ब.से
केतु	तुला में	धनु	23.46 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	01.51 बजे से
		कुंभ	03.37 बजे से
		मीन	05.10 बजे से

गुरुवार 2023 वर्ष का 89 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1944 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 23.31 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 22.59 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 01.02 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 10.18 बजे तदनन्तर कौलव 23.31 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 35' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871568 **जूलियन दिन** 2460033.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** रमजान **तारीख** 07 **विशेष** राम नवमी, स्वामीनारायण जयंती, महातारा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 30 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो हा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य ती यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

मार्ग-दर्शन

गुलामी के खिलाफ नायक का संघर्ष

वर्ष १८०४ में विलियम लाइड गैरिसन का जन्म बाल्टीमोर में हुआ था। निर्धन परिवार के गैरिसन ने आरंभ में छोटे-मोटे काम किए। पढ़ने-लिखने का शौक था, अत: अखबारों में लिखने लगे। अनेक पत्रों में संपादन का कार्य किया। उन्होंने महसूस किया कि अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में गुलामी-प्रथा चरम पर है, अत: इसका विरोध दक्षिण के ही किसी नगर से आरंभ करना चाहिए। उन्होंने बोस्टन से 'लिबरेटर' पत्र निकालना शुरू किया। दक्षिण के अनेक राज्यों ने 'लिबरेटर' पर प्रतिबंध लगा दिया। गैरिसन को धमकी भरे पत्र मिलते, किंतु वे निर्भीक बने रहते। बोस्टन के एक तहखाने में वे अपना हैंडप्रेस चलाते थे। अंतत: 'लिबरेटर' का संदेश लाखों लोगों द्वारापढ़ा व समझा गया और उसकी स्थापना के नौ वर्ष के भीतर अमेरिका के अनेक शहरों में लगभग दो हजार गुलामी विरोधी मंडल गठित हुए। दो लाख महिला-पुरुष उनके सदस्य बने। यह गैरिसन के दासता विरोधी अभियान की ही ताकत थी कि अफ्रीका में अनुपयोगी व कमजोर गुलामों को भेजने की सरकारी चाल नाकामयाब हुई। सन १८३५ में गुलामी विरोधी मंडल की एक सभा में गैरिसन के धारदार भाषण ने सत्ताधीशों की नींव हिला दी। उन्हें जेल में बंद कर दिया गया, किंतु ऐसा करने से लोगों की सहानुभूति व रुचि उनमें और बढ़ गई। अब गैरिसन के साथ लाखों लोग थे। अंतत: जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति बने, तब गुलामी-प्रथा को कानूनन समाप्त कर दिया गया। वस्तुत: जनकल्याण के कठिनतम लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए असीम धैर्य और साहस की आवश्यकता होती है।

जीने की राह

कर्मकांड में छिपे जीवन को खोजे

पूजा-पाठ खासतौर पर कर्मकांड की इन दिनों खिल्ली भी उड़ाई जाती है। घर में बुजुर्गों को पूजापाठ, दान आदि करते देखकर बच्चे विज्ञान और तर्क के झोंकों से उन्हें उड़ाने का भी खूब प्रयास करते हैं। नई पीढ़ी हर बात में तर्क, विज्ञान और व्यावहारिकता देखती है, ऐसा होना भी चाहिए। लेकिन केवल इन्हीं के आधार पर कोई बात खारिज करना या स्वीकार करना भी पूरी तरह से ठीक नहीं माना जा सकता। अगर ढूंढ़ना ही है तो इनमें जीवन ढूंढ़ें। ऋषि-मुनियों, फकीरों ने सारा ताना-बाना जीवन को केंद्र में रखकर ही बुना है। ज्यादा विश्लेषण में कहीं आपका जीवन न खो जाए, वरना हममें और जानवरों में फर्क क्या रह जाएगा। ऊपर वाले ने वो सारे कृत्य पशुओं को भी दिए हैं, जो मनुष्य करता है। आहार, निद्रा और संतान उत्पत्ति की क्रियाओं से इंसान और जानवर दोनों ही समान रूप से गुज़रते हैं। जन्म और मृत्यु के मामले में तो दोनों को एक जैसा ही बख्शा है। फिर फर्क कहां है? केवल जीवन जीने के तरीके में अंतर है। पशु इस विशेषता से वंचित हैं और मनुष्य में यह संभावना कूट-कूटकर भरी है। कई मामलों में मनुष्य व पशु की वास्तविकता एक जैसी है। पर फर्क हो जाता है संभावना का। इसलिए पूजा-पाठ में, सत्संग में जो जीवन छुपा है उसे जरूर उठाएं, स्पर्श करें, खोजें, बाकी चीजें छोड़ दें। पर यदि समूचे को नकारा जाए तो जीवन भी हाथ से चला जाएगा। मनुष्यता को प्राप्त इस अद्भुत संभावना को नज़रअंदाज करने से लगता है जैसे कि कुछ लोग जानवरों की तरह जी रहे हैं। जरा सावधान हो जाएं।

यूपी स्थानीय निकाय चुनाव सुप्रीम कोर्ट के फैसले से दूर हुई अड़चन

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनावों का रास्ता साफ करके एक बड़ी मुश्किल हल कर दी। देश के मुख्य न्यायाधीश की अगुआई वाली बेंच ने उत्तर प्रदेश ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए राज्य चुनाव आयोग को इन चुनावों के सिलसिले में दो दिनों के अंदर नोटिफिकेशन जारी करने की इजाजत दे दी। इसके बाद अब राज्य में शहरी लोकल बॉडीज में ओबीसी आरक्षण के प्रावधानों के साथ चुनाव कराया जा सकेगा। मामला फंस इसलिए गया था क्योंकि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से 5 दिसंबर को जारी उस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया था, जिसमें एससी, एसटी और महिलाओं के साथ ही ओबीसी के लिए भी रिजर्वेशन का प्रावधान किया गया था।

हाईकोर्ट का कहना था कि रिजर्वेशन के लिए यह नोटिफिकेशन जारी करते हुए राज्य सरकार ने उस ट्रिपल टेस्ट की कसौटियों का ख्याल नहीं रखा, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य बता रखा है। उसके बाद यह संवैधानिक दुविधा पैदा हो गई थी कि इन शहरी स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त हो रहा था और उस अवधि में ट्रिपल टेस्ट की कसौटी का पालन करते हुए आरक्षण का नोटिफिकेशन जारी करना मुश्किल था। लेकिन आरक्षण के प्रावधान भी एक संवैधानिक जरूरत थे। उसके बगैर चुनाव कराना न सिर्फ असंवैधानिक हो सकता था बल्कि आगे चलकर उससे जुड़ी कई और मुश्किलें पैदा हो सकती थीं। बहरहाल, अब सुप्रीम कोर्ट ने यूपी ओबीसी कमिशन की ताजा रिपोर्ट को ट्रिपल टेस्ट की कसौटी पर खरा पाकर चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाने की इजाजत दी है। इसलिए फिलहाल वे सभी समस्याएं टल गई हैं। लेकिन इस पूरे प्रकरण में शासन-प्रशासन के ही लिए नहीं, राजनीति के लिए भी कई सबक हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद जिस तरह से राजनीतिक बयानबाजी होनी शुरू हुई उससे साफ था कि ज्यादातर राजनीतिक दल इसे राजनीतिक अवसर के रूप में देख रहे थे। यह सचाई अन्य मौकों पर भी अलग-अलग तरह से दिखती रही है कि हमारे देश में राजनीति आरक्षण को प्राय: राजनीतिक फायदे के एक साधन के ही रूप में देखती है। यही वजह है कि अक्सर चुनाव के दौरान आरक्षण से जुड़े वादों, दावों और घोषणाओं की झड़ी सी लग जाती है।

इतना ही नहीं, जब भी इससे जुड़ा कोई मसला उठता है तो राजनीतिक दलों का रुख उसके औचित्य के आधार पर नहीं बल्कि उससे होने वाले चुनावी नफा-नुकसानों से निर्धारित होता जान पड़ता है। यह एक बड़ी वजह है कि आरक्षण नीति के लंबे अनुभवों और इससे निकलते सबकों पर सही ढंग से विचार तक नहीं हो पा रहा है। यह स्थिति बदलनी चाहिए। न केवल आरक्षण नीति के विभिन्न पहलुओं पर समग्रता में विचार होना जरूरी है बल्कि अनुभवों और समाज की बदलती जरूरतों की रोशनी में समीक्षा की निरंतरता को भी सुनिश्चित करने की जरूरत है।

कोने में बसा वह लोक

सुबह रोज की ही तरह उठा था, बालकनी में वॉशबेसिन के सामने खड़ा ब्रश भी बिल्कुल रोज की तरह कर रहा था, रोज की ही तरह नजर सामने आईने में गई, लेकिन अपने चेहरे के पीछे आ रही छवि ने अचानक चौंका दिया। मेरे पीछे की तरफ लगे एक गमले में एक गाढ़े बैंगनी रंग की बड़ी-बड़ी पत्तियों वाले पौधे में हल्की बैंगनी रंग के फूल खिले थे। रंगों का वह कॉम्बिनेशन और कोमल मासूम से चमक रहे वे फूल सुंदरता का अद्भुत नजारा पेश कर रहे थे।

जाहिर है, मेरी वह सुबह अब रोज वाली सुबह नहीं रह गई थी। ब्रश करने के बाद मैं रोज की तरह वापस अपने कमरे में नहीं आया, जहां टेबल पर चाय मेरा इंतजार कर रही थी। मुड़कर उस पौधे तक पहुंचा जिसने गमले की जरा सी मिट्टी और बालकनी में पहुंचती जरा-जरा सी धूप, रोशनी, हवा के बूते न केवल अपनी जिंदगी को संभाल रखा था, बल्कि उसी में ऐसी सुंदरता रच डाली थी कि मुझ जैसा खड़ूस भी सुध बुध खो बैठा। संयोग कहिए कि वह साप्ताहिक छुट्टी का भी दिन था, सो ऐसी कोई मजबूरी महसूस नहीं हुई कि उस सौंदर्य के प्रभाव में खुद को बहने से रोक दूं। अब मैं उस छोटे से पौधे के रू-ब-रू था, उसकी एक-एक पत्ती, फूल और कलियों को देख पा रहा था। वे कलियां, जो शायद कल तक नए फूल के रूप में खिलकर उस विराट सौंदर्य का हिस्सा बनने की जद्दोजहद में लगी थीं, जो यह समूचा पौधा अपने वजूद से रच रहा था। उसके ठीक बगल में दूसरा पौधा था, जिसमें लाल और गुलाबी के मिले-जुले से रंग वाले बिल्कुल छोटे-छोटे असंख्य फूल नजर आ रहे थे। आईने से वह नहीं दिखता था, लेकिन यहां पास से देखिए तो उसका सौंदर्य भी कम नहीं था। और यह इस तरफ सफेद फूलों वाला पौधा...। सब एक-दूसरे से अलग, लेकिन खूबसूरती की नई-सी परिभाषा देते हुए...। सब कुछ भूला-सा मैं, जैसे किसी और लोक में पहुंच चुका था। इन पौधों, पत्तियों, फूलों की भाषा बिल्कुल अलग थी, पर आज वे मुझसे बड़ा स्पष्ट संवाद कर रहे थे।

मगर ऐसे आप किसी और लोक में गुम तो नहीं हो सकते। संबंधों, भावनाओं, जिम्मेदारियों के इतने सारे धागे आपसे जुड़े हैं, वे आपको अपनी दुनिया से और दुनिया को आपसे जोड़े रखते हैं। यहां भी टेबल पर ठंडी होती चाय ने पत्नी तक संदेश पहुंचा दिया और वह आ गईं देखने कि मैं कहां अटक गया ब्रश करते हुए। यहां पौधों के साथ मेरे सत्संग को बाधित करने के बजाय वह चुपचाप पीछे आ खड़ी हुईं। आखिर यह पूरी दुनिया एक तरह से उन्हीं की बनाई हुई है, वही इसकी देखरेख करती हैं। इन पौधों से उनका अपनापा कहीं ज्यादा है। मैं तो मेहमान हूं इनके बीच जो अचानक मानो रास्ता भूलकर कुछ पलों के लिए यहां आ गया था और जिसे अपनी प्यार भरी मेहमाननवाजी से इन गमलों में पलते छोटे-छोटे पौधों ने अभिभूत कर दिया था।

प्रसंगत: प्रतिभा का सम्मान

एक राजा को चित्रकारी का बहुत शौक था। वह अपने राज्य के योग्य चित्रकारों को समय-समय पर सम्मानित भी करता रहता था। एक बार राजा ने एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा और दूर-दूर से मशहूर चित्रकारों को आमंत्रित किया। अनेक चित्रकार निर्धारित स्थल पर पहुंचने लगे। राजा ने सभी चित्रकारों को यथोचित सम्मान व स्थान देकर उन्हें ठहराया। एक चित्रकार बेहद गरीब सा दिख रहा था। वह फटे-पुराने मगर स्वच्छ वस्त्र पहने था। राजा ने उसे एक नजर देखा, फिर अनदेखा कर दिया। नियत समय पर प्रतियोगिता आरंभ हो गई। निर्णय करते समय तीन श्रेष्ठ चित्रों को चुना गया। अंत में निर्णायकों द्वारा उन तीन में से सर्वश्रेष्ठ चित्र को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पुरस्कृत चित्र के चित्रकार का नाम पुकारे जाने पर वही गरीब चित्रकार मंच पर आया। उसे देखकर राजा ने पुरस्कार दिया और कुछ दिन के लिए राजमहल में ठहरने का निवेदन किया। कुछ दिन राजमहल में बिता कर जब चित्रकार लौटने लगा तो राजा ने उसे बहुमूल्य उपहार दिए और उससे बहुत ही विनम्रता से पेश आया। यह देखकर चित्रकार बोला, 'महाराज, जब मैं प्रारंभ में आपके पास आया था तो आपने मुझे देखकर भी अनदेखा कर दिया था, किंतु आज आप मेरे साथ बहुत ही सम्मानपूर्वक पेश आ रहे हैं। आखिर आपके व्यवहार में यह बदलाव क्यों?' उसकी बात पर राजा मुस्कुराया फिर बोला, 'जब आप प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आए थे तो आप मेरे लिए अनजान थे और साथ ही मैं आपकी प्रतिभा से भी अनजान था। तो आपकी वेश-भूषा और रूप -रंग के आधार पर ही अपना व्यवहार तय किया। अब मुझे आपकी प्रतिभा की भी जानकारी हो गई, इसलिए मेरे व्यवहार में आपके साथ आपकी प्रतिभा के प्रति भी सम्मान झलक रहा है।

मंगलसूत्र भारतीय महिलाएं क्यों पहनती हैं?

भारतीय समाज में विवाह के समय दुल्हन को दूल्हे द्वारा मंगलसूत्र पहनाए जाने की एक रस्म निभाई जाती है लेकिन इस रस्म को निभाते समय दुल्हन को पहनाया जाने वाला, दो काले रंग के रेशमी धागों में पिरोए हुए काले मोतियों और उनके बीच में पिरोए हुए सोने के मोतियों से बने इस 'मंगलसूत्र' को वह जीवन भर अपनी एक अनमोल धरोहर के रूप में सहेज कर रखती है।

दरअसल ऐसा माना जाता है कि कोई भी विवाहित स्त्री अपने पति के जीवन रक्षा और अपने वैवाहिक जीवन की रक्षा के लिए ही मंगलसूत्र पहनती है। मंगलसूत्र में काले रंग के मोती किसी बुराई से रक्षा के लिए ही उपयोग किए जाते हैं और विवाह के समय काले मोतियों से बना यह मंगलसूत्र पहनने का उद्देश्य विवाह में होने वाले किसी अपशकुन से बचाना ही होता है।

हालांकि आज मंगलसूत्र के स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है और सस्ते से लेकर हजारों रुपए कीमत के काफी आकर्षक डिजाइनों में भी मंगलसूत्र बाजार में उपलब्ध हैं। वहीं आज भारत में आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कृति के तेजी से बढ़ते प्रभाव के साथ-साथ भारतीय विवाहित महिलाओं द्वारा मंगलसूत्र पहनने की अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने लगी है जबकि कुछेक

महिलाएं तो इन्हें एक आभूषण के रूप में ही सिर्फ पार्टी वगैरह में ही पहन कर जाना पसंद करने लगी हैं। देखा जाए तो भारतीय समाज में यह मान्यता है कि किसी विवाहिता स्त्री के गले से मंगलसूत्र तभी अलग होता है जब या तो वह विधवा हो जाए या किसी कारणवश दोनों में अलगाव हो जाए और दोनों का रिश्ता टूट जाए। यही वजह है कि किसी स्त्री के गले में पहना मंगलसूत्र आज भी उसके विवाहिता होने का प्रमाण माना जाता है।

कहा जाता है कि पहले न सिर्फ विवाहित स्त्रियां बल्कि पुरुष भी मंगलसूत्र पहनते थे और वर-वधू एक-दूसरे के गले में इसे आपसी समझ के प्रतीक के रूप में पहनाते थे लेकिन धीरे-धीरे यह परम्परा बदली और दुल्हनों को ही मंगलसूत्र पहनाया जाने लगा।

भारतीय महिलाएं मंगलसूत्र को एक मांगलिक आभूषण के रूप में धारण करती हैं और जीवन भर इसे अपने गले में पहने रहती हैं। दूल्हे द्वारा दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाने का अर्थ होता है कि दूल्हे ने दुल्हन को उसके पिता से अपने लिए मांग लिया।

उत्तर भारत में जहां काले रंग के रेशमी डोरे में काले व सोने के मोतियों से पिरोया हुआ मंगलसूत्र प्रचलित है, वहीं दक्षिण भारत में यह सोने का एक छोटा आभूषण होता है जिसे सूती धागे अथवा सोने की चेन में पहना जाता है। वहां इसे 'थाली' कहा जाता है।

तमिलनाडु तथा दूसरे दक्षिण भारतीय राज्यों में 'थाली' यानी मंगलसूत्र को प्राय: पीले रंग के मोटे धागे में पहनाया जाता है। दूल्हे द्वारा दुल्हन के गले में थाली पहनाने की रस्म उसी प्रकार निभाई जाती है जिस प्रकार उत्तर भारत में सगाई के दौरान एक-दूसरे की उंगली में अंगूठी पहनाने की रस्म निभाई जाती है।

बाथरूम को भी सजाएं

बाथरूम आपके घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर हम इसके इंटीरियर को अनदेखा कर देते हैं। बाथरूम की सुंदरता घर की शोभा में चार चांद लगा देता है। सुबह उठते ही इंसान अपने कमरे से निकलकर बाथरूम का रुख करता है। अगर आपका बाथरूम सुंदर, व्यवस्थित और सुसज्जित नहीं होगा, तो हो सकता है कि आपका दिन अच्छा नहीं बीते। जबकि आपको सुबह चमकता बाथरूम मिलेगा तो वह आपके मन को भआने के साथ-साथ पूरे दिन आपको ताजगी का अहसास भी देगा। बाथरूम घर का अहम हिस्सा होता है परंतु प्राय: छोटे घरों में अन्य कमरों की अपेक्षा बाथरूम के लिए कम जगह रखी जाती है। अगर आपके बाथरूम में जगह की कमी है तो कुछ विशेष रंगों व टाईल्स का प्रयोग करने से वह बड़ा लगने लगेगा।

दीवार - बाथरूम की दीवारों पर हल्के रंग का प्रयोग करने से बाथरूम का आकार बड़ा लगता है। हल्के रंग पर रोशनी ज्यादा फैलती है। अगर आपके छोटे बच्चे हैं तो आप आधी दीवारों पर टाइल्स भी लगवा सकती हैं। उन्हें साफ करना बहुत आसान होता है।

लाइट - बाथरूम में ज्यादा से ज्यादा लाइट लगाएं पर ध्यान रखें कि वो कोई अतिरिक्ति जगह नहीं घेरे। बाथरूम में ऐसी भी लाइट लगवाई जा सकती है जो किसी विशेष जगह जैसे बाथ टब या बेसिन पर ही ज्यादा रोशनी डाले।

फर्श - दीवारों की तरह बाथरूम के फर्श का रंग भी हल्का होना चाहिए। अगर आपकी दीवारों पर टाइल्स लगी हैं तो फर्श का रंग भी टाइल्स के मुताबिक होना चाहिए। फ्लोर टाइल्स को नहाने के बाद हमेशा साफ-सुथरा रखें क्योंकि गीला रहने से उसमें फिसलन आ जाती है।

बाथरूम फिटिंग्स- नल एवं शावर के कई डिजाइन बाजार में उपलब्ध हैं। आजकल शावर पैनल काफी प्रचलित है। जिसमें एक ही बोर्ड से पूरा बाथ सिस्टम जुड़ा होता है। यह शावर पैनल जगह भी कम लेता है और देखने में भी रॉयल लगता है। अगर आपको बाथरूम में कमोड लगवाना है तो फ्लोर के रंग और कमोड का रंग कन्ट्रास्ट में लें। यानी कि एक हल्के रंग का तो दूसरा गहरे रंग का।

अलमारी, रैक और कैबिनेट- बाथरूम में साबुन, पेस्ट, आदि रखने के लिए रंग-बिरंगा कैबिनेट लगवाया जा सकता है। कपड़े के लिए अलमारी या रैक की भी व्यवस्था करें। बाथरूम में एक बड़ा शीशा भी जरुर लगवाएं।

बोझ नहीं होते बुजुर्ग माता-पिता

आज के हालात में परिवार में सबसे दयनीय दशा अगर किसी की है, तो बुजुर्ग माता-पिता की। आज संतान उनके लिए कांटों के बिछौने बिछा रही है। ऐसे में माता-पिता यही सोचते हैं कि हमने अपनी संतान को पाल-पोस कर ऐसा क्या गुनाह किया कि आज वो हमें बोझ समझ कर वृद्धाश्रम में फेंक आते हैं। आज यदि हम अपने बचपन के बारे में सोचें कि जब भी हम बीमार हो जाते थे तो क्या हमारे माता-पिता रात भर हमारे लिए नहीं जागते थे? क्या हमारी मां ने नौ माह तक हमें अपनी कोख में नहीं पाला या हमारे पिता ने हमारी परवरिश करने में कोई कसर छोड़ी? हम पर किसी भी तरह की मुश्किल नहीं आने दी। यदि उस समय उन्होंने हमें बोझ समझ लिया होता तो हमारा क्या हाल होता? इन्हीं प्रश्नों को सोचते हुए संतान इस बात को ध्यान में रखे कि आजीवन कोई भी युवा नहीं रहता। हमें भी इस दिन का सामना करना पड़ सकता है। अपने माता-पिता की आत्मा को दु:ख देकर खुद की संतान से आदर और सुख की कामना करना हमारी सबसे बड़ी भूल होगी। लोग कहते हैं स्वर्ग आसमान में होता है लेकिन यदि मनुष्य चाहे तो इसी जीवन में स्वर्ग का सुख भोग सकता है। क्योंकि स्वर्ग का सुख माता-पिता के चरणों और उनकी सेवा में मिलता है। यदि हम अपने माता-पिता का ही सम्मान नहीं करेंगे तो फिर दुनिया में हमारा सम्मान कौन करेगा।

पर्स खरीदना है तो...

कामकाजी महिलाओं के लिए पर्स रोजमर्रा की जरूरत है। घर पर रहने वाली महिलाओं के लिए यह जरूरत तो है पर वे एक-दो पर्सों से अपना गुजारा कर लेती हैं। उन्हें शॉपिंग के लिए जाते समय और किसी समरोह पर जाते समय ही पर्स की आवश्यकता पड़ती है।

कामकाजी महिलाओं को पर्सों में भिन्नता चाहिए। प्रतिदिन काम में आने के कारण पर्स खराब भी जल्दी होता है और कपड़ों के अनुसार पर्स की आवश्यकता भी रहती है। पर्स व्यक्तित्व को निखारता है इसलिए इसे खरीदते समय सावधानी बरतनी बहुत आवश्यक है।

पर्स खरीदते समय जो डिजाइन या रंग फैशन में है, उसे भेड़चाल से न खरीदें क्योंकि रंग और डिजाइन दोनों ही चीजें पर्स के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसा न हो कि फैशन के चक्कर में जो पर्स आप खरीदें, वह अलमारी की शोभा ही बढ़ाता रहे या आपके व्यक्तित्व की शोभा को कम कर दें। पर्स खरीदने से पहले कंधे पर लगा कर देखें कि आपके व्यक्तित्व के साथ जंच रहा है या नहीं। पर्स खरीदने से पहले ४-५ दुकानों पर जाएं, परखें और कीमत का अंदाजा लें। फिर ठंडे दिमाग से अपनी जेब और कपड़ों के रंगों को नजर में रखते हुए पर्स खरीदें। लैदर पर्स आदि किसी अच्छी दुकान से खरीदें। पटरी की दुकानों पर नकली भी मिल सकते हैं।

पर्स की ओवरआल फिनिशिंग पर पूरा ध्यान दें। कहीं से कोई धागा या सिलाई अलग से दिखाई न दे रही हो। पर्स में कितनी जेबें हैं, उनकी जिप आदि अच्छी तरह परख लें। आजकल पर्सों में रेजगारी रखने के लिए छोटे पर्स का प्रावधान होता है। नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह आवश्यक चीज है। टिकट आदि खरीदते समय उन्हें पूरा पर्स नहीं टटोलना पड़ता।

पर्स देखने में सुन्दर लगे, इस बात पर ध्यान भी दें। उसका हैंडल और डिजाइन अच्छा होना चाहिए। अधिक पैच, बटन, गोल्डन बकल्स आदि नहीं होने चाहिएं जो कुछ दिनों के प्रयोग के बाद आसानी से निकल जाते हैं। गोल्डन पालिश भी खराब हो जाती है और पर्स बाहर ले जाने लायक नहीं रहता।

समारोह आदि पर जाने के लिए मध्यम आकार का आकर्षक पर्स रखें जिसे आप कई पोशाकों के साथ प्रयोग में ला सकती। हैं। रोजमर्रा के लिए थोड़ा बड़ा पर्स लें क्योंकि उसमें आप कुछ आवश्यक सामान आसानी से रख सकती हैं। जैसे आपकी ऑफिस डायरी, सैलफोन, पैन, नाश्ता इत्यादि।

पर्स खरीदते समय हैंडल और स्ट्रैप (बैल्ट) पर खास ध्यान दें। स्ट्रैप मजबूत होना चाहिए ताकि रोज आने-जाने में जल्दी उखड़ न जाए।

आजकल बाजार में अलग-अलग डिजाइनों के पर्स उपलब्ध हैं। बस जरूरत है आपकी पारखी नजर की। आप थोड़ी-सी समझदारी के साथ रोजमर्रा के लिए एवं पार्टी आदि के लिए पर्स खरीद सकती हैं।

काले व भूरे रंग के पर्स रोजमर्रा में प्रयोग करने के लिए बेहतर रहेंगे तथा सफेद व नगों वाले पर्स पार्टी आदि के लिए। तो चलें बाजार की ओक...।

बच्चों को बचाएं फास्ट फूड से

प्राय: देखा गया है कि बच्चे फास्ट फूड खाने की जिद करते हैं जिसके आगे अभिभावक झुक जाते हैं। कभी-कभार फास्ट फूड खा लेने में कोई हर्ज नहीं हैं लेकिन रोज-रोज इनका सेवन न केवल मोटापा बढ़ाता है अपितु उन्हें अन्य बीमारियों की चपेट में भी ला देता है। फास्ट फूड के शौकीन बच्चों का वजन बढ़ते देर नहीं लगती। यदि आपके बच्चे पिज्जा, बर्गर और फ्रैंच फ्राइज जैसे फास्ट फूड के शौकीन हैं तो सावधान हो जाएं। इसके सेवन से उन्हें मादक पदार्थ हेरोइन जैसी न छूटने वाली लत पड़ सकती है। न्यूजर्सी स्थित प्रिस्टन विश्वविद्यालय में हुए अध्ययन में पाया कि बच्चे फास्ट फूड में मौजूद शक्कर और चर्बी के ऐसे आदी हो जाते हैं कि उनकी लत छुड़ाए नहीं छूटती। अधिकतर बच्चों को यह पता नहीं होता है कि जो चीज बर्गर, पिज्जा, हॉटडॉग या चिप्स वे खा रहे हैं, वे किन चीजों से बनते हैं या उनमें क्या डाला जाता है। वे तो स्वाद के कारण इनके गुलाम बनते जा रहे हैं। यदि आप चाहते हैं कि बच्चों को फास्ट फूड का चस्का न लगे, तो हमें उन्हें यह समझाना होगा कि फास्ट फूड हानिकारक क्यों है?

एक सर्वेक्षण के अनुसार ८ से १४ साल तक के ३६ प्रतिशत बच्चे यह नहीं जानते कि चिप्स आलू से बनते हैं। दस प्रतिशत बच्चों ने यह कहा कि चिप्स अंडों, आटे, तेल या सेब से बनते हैं। इसके अलावा ३७ प्रतिशत बच्चों को यह पता नहीं है कि पनीर दूध से बनता है।

ब्रिटेन में तो ब्रिटिश हार्ट फाऊंडेशन बच्चों को फास्ट फूड में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के प्रति जागरूक कर रहा है। फाऊंडेशन ने ऐसे पोस्टर तैयार किए हैं जिनमें फास्ट फूड में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को दिखाया गया है। इसमें बच्चों में फास्ट फूड को लेकर डर पैदा होगा और वे इसे खाने में हिचकिचाएंगे। 'द फूड फॉर थॉट' नामक यह अभियान बच्चों के लिए चलाया जा रहा है कि वे जान सकें कि फास्ट फूड के रूप में वे क्या खा रहे हैं। इससे उन्हें हैल्दी फूड चुनने में मदद मिलेगी। इस अभियान को वहां के क्रिकेट स्टार और फिल्म स्टार भी सपोर्ट कर रहे हैं। फाऊंडेशन ने प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को भी इस बारे में पत्र लिखा है और मांग की है कि बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन और पेय पदार्थों की मार्केटिंग पर रोक लगाई जाए।

हेल्थ प्लस

गुणों की खान है पान

आयुर्वेद में पान को हृदय के लिए हितकारी, रक्तभार कम करने वाला, कामाग्निवर्धक कहा गया है। यह अजीर्ण, अग्निमांद्य, अरूचि, कब्ज, आदि अनेक रोगों में लाभप्रद है। दालचीनी, इलायची आदि के साथ खाने से यह मुख की दुर्गन्ध को नष्ट करता है।

तम्बाकू के साथ हानिकारक

ताम्बाकू के साथ तम्बाकू का सेवन अत्यन्त हानिकारक है, जो किसी हद तक मुंह के कैंसर के लिए जिम्मेदार है अत: पान के साथ तम्बाकू का सेवन करके आप पान के गुणों को अवगुणों में न बदलें।

पान के विविध प्रयोग

- हर प्राकर की खांसी में एक चम्मच पान के रस में मुलेठी चूर्ण, आधा चम्मच मिलाकर शहद के साथ दिन में तीन बार सेवन करें।
- सादे पान के बड़े पत्ते में आधा चम्मच सौंफ व चौथाई चम्मच मुलेठी चूर्ण रखकर दो तीन बार चाटने से भूख अच्छी तरह लगने लगती है।
- जोड़ों के दर्द में पान में ५ से ७ बूंद नीम का तेल डालकर दिन में तीन बार सेवन करें या पान में सौंठ का आधा चम्मच चूर्ण डालकर दिन में दो बार सेवन करें।
- खूनी बवासीर में पान के ४ पत्तों को चार काली मिर्च के साथ पीसकर ५० ग्राम पानी में उबालें। १० ग्राम पानी बचने पर उतार लें। इसकों ठंडा करके दिन में तीन बार लें।
- निम्न रक्तचाप में पान को इलायची व कस्तूरी के साथ दिन में दो बार सेवन करना चाहिए।
- बहुत प्यास लगने पर पान में पुदीने की पत्ती रखकर दिन में तीन बार लें।
- करीब १० से १५ बीड़ा पान खूब घोटकर एक गिलास पानी में मिलाकर छान कर प्रात: बासी मुंह कुछ दिन पीने से कब्ज नष्ट हो जाती है।
- गला बैठ गया हो या भर्रा रहा तो पान की जड़ (कुलंजन) के छोटे छोटे टुकड़ों को मुंह में रखकर दिन में दो या तीन बार चूसें।
- दमा में पान के साथ २ या ३ काली मिर्च तथा एक इलायची रखकर दिन में तीन बार खांए।
- जुकाम में पान के रस को गरम करके दो बार पीना या पान की जड़ और मुलहठी का बराबर मात्रा का चूर्ण १ चम्मच शहद में तीन बार चाटें या तीन या चार पान में १० से १५ पत्ते तुलसी डालकर १०० ग्राम में उबालें। आधा पानी बचने पर ठंडा करें और १ चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार सेवन करें।
- किसी भी प्रकार की गिल्टी या बिना मुह के फोड़े पर पान के पत्ते को गर्म कर बांधने से आराम होता है।
- बिच्छू के डंक मारने पर पान के रस में थोड़ी सी पिसी सोंठ मिलाकर लेप करें।

हाइजीन बचाए इंफेक्शन से

क्या आप जानते हैं लगभग ८० प्रतिशत संक्रामक रोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष इंसानी संपर्क से फैलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में हर साल २६ लाख मौतें साफ-सफाई की कमी से होती है। आमतौर पर फैलने वाले संक्रामक रोगों में शामिल हैं सामान्य सर्दी, फ्लू, अमाशय व आंतों के विभिन्न रोग जैसे अतिसार। उम्रदराज वयस्क यदि अन्य लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो ऐसे में फ्लू ज्यादा गंभीर हो सकता है, क्योंकि वह आगे निमोनिया में बदल सकता है, फ्लू एवं निमोनिया का जुड़ाव जानलेवा हो सकता है।

जिस पर्यावरण में एवियन इंफ्लुएंजा का वायरस मौजूद हो वहां हाथों की साफ-सफाई बहुत अनिवार्य है, क्योंकि इससे ही नाक, मुंह एवं आंखों के संक्रमण से बचाव होता है। कई लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। यहां तक कि टॉयलेट से लौटने पर भी कुछ लोग हाथों की सफाई नहीं करते। रोगाणु कई तरीकों से फैलते हैं जैसे लोगों से संपर्क, भोजन आदि। यहां तक कि ये जानवरों व उनकी गंदगी से भी फैल सकते हैं। जब अनधुले व संक्रमित हाथ आंखों, नाक व मुंह तक पहुंचते हैं, तो संक्रमण होता है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली में इंटरनल मेडिसिन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. तरूण साहनी कहते हैं, 'कीटाणु हर जगह है इसलिए उनसे बचना नामुमकिन है। हाथों को ठीक से धोना ही एकमात्र सबसे महत्त्वपूर्ण तरीका है, जिसे अपना कर हम बीमार होने से बच सकते हैं और दूसरों को भी बचा सकते हैं। भोजन दूषित न हो, अपना स्वास्थ्य बना रहे इसके लिए हाथों का रोगाणुओं से मुक्त होना अतिआवश्यक है।' कीटाणु जैसे बैक्टीरिया एवं वायरस कई तरह से फैलते हैं जैसे रोगी के छींकने, खांसने से या उसके शरीर से निकले पदार्थों का पानी एवं भोजन से संपर्क हो जाने से। शिशुओं, छोटे बच्चों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले वयस्कों को इस तरह के संक्रमणों का अधिक खतरा रहता है।

रोगों से बचे रहने में अच्छी प्रकार से हाथों को साफ करना ही सबसे अहम है। आज बाजार में लाइफबॉय हैंड वॉश जैसे लिक्विड जर्म फाइटिंग क्लीनजर्स उपलब्ध हैं। जो ९० प्रतिशत तक रोगाणुओं का खात्मा करते हैं, जिनमें ई. कोली, सालमोनेला, जानलेवा मेथिसिलिन-रेसिस्टेंट स्टेफाइलोकोकस ऑरयस और एवियन फ्लू एच ५ एन १ जैसे बैक्टीरिया तथा वायरस शामिल है।

सिर्फ इसी एक नियम का पालन करते हुए आप कई गंभीर रोगों जैसे मैनिनजाइटिस, ब्रौंकोलाइटिस, इंफ्लुएंजा, हेपेटाइटिस-ए तथा कई प्रकार के संक्रामक डायरिया से बचाव कर सकते हैं। मैक्स हॉस्पिटल, साकेत में कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. संदीप बुद्धिराजा के मुताबिक, 'खाने से पहले व बाथरूम से आने के बाद, खाना बनाने से पहले व बाद में जानवरों को हाथ लगाने के बाद, खेलने-कूदने के बाद तथा अन्य किसी भी वक्त जब आपके हाथ गंदे हों आपको हाथ एंटी जर्म लिक्विड हैंड वॉश से धोने चाहिए।

गुदा रोग

गुदा रोगों में मुख्यत: पाइल्स (बवासीर) फिश्टूला (भगंदर) फिशर, मलद्वार का बाहर निकलना, मलद्वार का कैंसर इत्यादि बीमारी को सम्मिलित किया जाता है। गुदा रोगों में ८० प्रतिशत बीमारी पाइल्स (बवासीर) से संबंधित होती हैं।

लक्षण : शौच से पहले एवं बाद में खून आना। लगातार कब्ज रहना। शौच करते वक्त जलन एवं दर्द होना। बैठने में तकलीफ होना। बार-बार शौच की इच्छा होना। चलने-फिरने में तकलीफ होना।

कारण : कब्ज ही इन बीमारी की मुख्य कारण होता है। लगातार कब्ज रहने पर व्यक्ति मल विसर्जन में काफी जोर लगाता है, इसके कारण शरीर में खून का दबाव मलद्वार के आसपास बढ़ता है, जिससे मलद्वार में स्थित बारीक शिराओं पर जोर पड़ता है।

इसके कारण इसका आकार बढ़ने लगता है यह शिराएं काफी मुलायम तथा नाजुक होती है, जो गाढ़े मल की रगड़ के कारण फट जाती है, इससे खून निकलने लगता है। अधिक लंबे समय तक बैठने वाले व्यक्तियों में पाइल्स (बवासीर) हो सकते हैं।

बचाव : खाने में प्रचुर मात्रा में फाइबर होना चाहिए। बिना छने हुए आटे का प्रयोग करना चाहिए। सलाद का सेवन अधिक करना चाहिए तथा पानी अधिक पीना चाहिए। रात को भोजन हल्का एवं काम मात्रा में करना चाहिए, जिससे कब्ज न हो पाए। रात को जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठना, सुबह उठकर घूमना, हल्का व्यायाम करना आदि आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

उपचार : होम्योपैथिक चिकित्सा के द्वारा पाइल्स से पूर्णरूप से छुटकारा पाया जा सकता है। होम्योपैथी में बहुत सी दवाइयां हैं, जो इस बीमारी में प्रयुक्त होती है। जैसे-सल्फर, नक्स-वोमिका, लेकेसिस, ऐस्कुलस आदि। दवा का चयन मरीज की प्रकृति, बीमारी के लक्षण, बीमारी की अवधि इत्यादि बातों का ध्यान में रखकर किया जाता है।

स्ट्रैस बढ़ाए कॉफी

जब हम थकावट अनुभव करते हैं तो एक कप कॉफी की आवश्यकता महसूस करते हैं पर एक नवीनतम शोध से पता चला है कि कॉफी स्ट्रैस को कम नहीं करती बल्कि बढ़ा देती है, खासकर पुरूषों में, अगर वे अकेले काम कर रहे हों।

यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के विशेषज्ञ पीटर रोजर्स और लिंडसे ने अपने इस अध्ययन में यह भी पाया कि जो पुरूष टीम में कार्य कर रहे थे, उन्होंने कैफीन के सेवन के उपरांत कम स्ट्रैस अनुभव किया पर जो पुरूष अकेले काम कर रहे थे उनमें स्ट्रैस अधिक पाया गया। इससे पूर्व भी कई शोधों से सामने आया है कि कैफीन स्ट्रैस बढ़ाती है इसलिए स्ट्रैस मैनेजमैंट के दौरान कॉफी का सेवन न करने पर जोर दिया जाता है।

हेल्थ केप्सूल है दूध

अधिक वजन के लिए चिंतातुर हैं? तो यह समय है दूध लेने का। 'फूड डाइजेस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार कैल्शियम से भरपूर दुग्धयुक्त पेय गटकना हड्डियों के लिए तो लाभदायक ही है, अच्छी मात्रा में लिया गया कैल्शियम वजन संतुलित रखने में भी मददगार होता है। मोटापे पर एक इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भरपूर मात्रा में लिया गया कैल्शियम शरीर के न्यूनतम वसीय मापांक से संबद्ध था। अर्थात जितना अधिक कैल्शियम उतनी ही कम शरीर की वसा। यह कैसे होता है आइए जानें- रक्त में जब कैल्शियम का स्तर गिरता है तो विटामिन 'डी' तथा पैराथॉपराइड हारमोन (पी.टी.एच.) की संख्या बढ़ जाती है। प्रयोगशाला की परिस्थितियों के अनुसार ऐसे में 'फैट सेल्स' या 'वसीय कोशिकाओं के आस-पास इकट्ठे कैल्शियम की मात्रा बढ़ती है और विटामिन 'डी' तथा पी.टी.एच. का पैमाना नीचे आ जाता है तो उक्त वसीय कोशिकाएं आसानी से अपना वसा संग्रहण मुक्त कर देती है। अर्थात शरीर की वसा कम हो जाती है। अत: अब मम्मी की सलाह पर ध्यान दीजिए और प्रतिदिन गटक जाइए एक गिलास दूध।

श्रीरामनवमी विशेष

करोड़ों सूर्यग्रहण से अधिक फलदायक है श्रीरामनवमी का व्रत ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता

राम नवमी पर कैसे करें श्री राम की पूजा?श्री राम नवमी 2023ः चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार राम नवमी 30 मार्च 2023 गुरुवार को रहेगी। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पूरे देश भी इस जन्मोत्सव को बहुत ही बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा, क्योंकि इस समय अयोध्या में श्रीराम लला की विशेष पूजा होगी। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इस दिन श्रीराम की पूजा।*

श्री राम पूजा का मुहूर्त :-* 30 मार्च 2023 को सुबह 11:11:38 से 13:40:20 तक रहेगा।

- **क्या करते हैं रामनवमी के दिन :-**

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की इस दिन रामायण का पाठ करते हैं। रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं। कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है। भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित कर पालने में झुलाते हैं।

कई जगहों पर पालकी या शोभायात्रा निकाली जाती है।

अयोध्या में राम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होता है।

रामनवमी की सरल पूजा विधि- ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की रामनवमी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान आदि से निवृत्त होकर व्रत का संकल्प लेकर प्रभु श्री राम के बालरूप की पूजा की जाती है।

बालक रामलला को झुले में विराजमान करके, झुले को सजाया जाता है और दिन में 12 बजे के आसपास उनकी पूजा की जाती है।

ताबें के कलश में आम के पत्ते, नरियल, पान आदि रखकर चावल का ढेर पर कलश स्थापित करते हैं और उस के आसपास चौमुखी दीपक जलाते हैं।

फिर श्री राम को खीर, फल, मिष्ठान, पंचामृत, कमल, तुलसी और फूल माला अर्पित करते हैं।

नैवद्य अर्पित करने के बाद विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करते हैं।

इस दिन पंचामृत के साथ ही पीसे हुए धनिये में गुड़ या शक्कर मिलाकर प्रसाद बनाकर बांटते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की जिस समय संसारमें दुराचार, दुर्विचारका परितः प्रसार होने लगता है, अहिंसा, सत्य, अस्तेय, धैर्य, न्याय आदि मानवोचित सद्गुणोंका अपमान होने लगता है, दम्भका ही साम्राज्य तथा वेद-शास्त्रोक्त वर्णाश्रमधर्मका विलोप होने लगता है, दैत्य-दानवों या दैत्यप्राय कुपुरुषोंसे धरा व्याकुल हो जाती है, सत्पुरुष तथा देवगण अनीतिसे उद्विग्न हो उठते हैं, उस समय सर्वपालक भगवान् किसी रूपमें प्रकट होकर श्रुति-सेतुका पालन करते और अपने मनोहर, मंगलमय, परम पवित्र चरित्रोंका विस्तार करके प्राणियोंके लिये मोक्षका मार्ग प्रशस्त कर देते हैं ।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की अभिज्ञोंका मत है कि यदि भगवान् का विशुद्ध, सत्त्वमय, परम मनोहर, मधुर स्वरूप प्रकट न होता तो अदृश्य, अग्रा', अव्यपदेश्य परब्रह्मके साक्षात्कारकी बात ही जगत से मिट जाती । भगवान् की मधुर मूर्ति एवं चरित्रोंमें मनके आसक्त हो जानेपर उसकी निर्मलता और एकाग्रता सहजमें ही सिद्ध हो जाती है । निर्मल एवं एकाग्र चित्त ही भगवान् के अचिन्त्य रूपके चिन्तनमें समर्थ होता है । जैसे अंजनद्वारा शुद्ध नेत्रसे सूक्ष्म वस्तुका परिज्ञान सुगमतासे हो जाता है, वैसे ही भगवच्चरित्र एवं उनके मधुर स्वरूपके परिशीलनसे निर्मल होकर चित्त सूक्ष्म-से-सूक्ष्म भगवदीय रहस्योंको समझ लेता है ।

इसके अतिरिक्त अमलात्मा परमहंस महामुनीन्द्रोंको प्रेमयोग-प्रदान करनेके लिये भी प्रभुके लीला-विग्रहका आविर्भाव होता है । इन्हीं सब भावोंको लेकर मधुमासके शुक्लपक्षकी नवमीको मर्यादा-पुरुषोत्तम भगवान् श्रीरामचन्द्रका जन्म हुआ ।

श्री रामनवमी -ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की (30 मार्च 2023)रामनवमी के अवसर पर जो उपवास नहीं करता उसको शास्त्रों ने लताड़ा है, जो इस दिन अन्न का सेवन करता है, काम विकार में डूबता है और व्रत, संयम नहीं करता है, जिसकी वाणी में विनय नहीं है, हृदय में धैर्य नहीं है वह नराधम हैं, बड़ा दुष्ट है ।

पुनर्वसु नक्षत्र और रामनवमी का योग बड़ा दुर्लभ और अद्भुत है, ₹सूर्य ग्रहण के समय भगवन्नाम जप का 10 लाख गुना फल होता है₹ परंतु इस ₹₹पुनर्वसु नक्षत्र (रात्रि 10:59 तक) युक्त रामनवमी में ध्यान, जप, उपवास का करोड़ों सूर्य ग्रहण से अधिक फल होता है।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की इस वर्ष रामनवमी के दिन रात्रि 10:59 से गुरुपुष्यामृत योग भी है, जो अगले दिन सूर्योदय तक रहेगा। ₹शंका होगी कि 'नवमी को नवरात्रि का व्रत खोलना, पारायण करना है फिर यह उपवास कैसे शुरू करें ?₹

तो नवमी को नवरात्रि का उपवास मानसिक रूप से खोल के थोड़ा सा फलाहार जैसा प्रसाद ले लिया फिर 'आज रामनवमी का व्रत रख रहा हूँ' ऐसा संकल्प करके व्रत कर लिया उपवास दशमी को खोलना है।*

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की नवरात्रि के उपवास से शरीर की शुद्धि होने के साथ मन की भी शुद्धि होती है और बुद्धि भी सूक्ष्म, सूक्ष्मतर, सूक्ष्मतम होती है । कठोपनिषद् (अध्याय 1, वल्ली 3, मंत्र 12) में लिखा है -

एष सर्वेषु भूतेषु गूढोत्मा न प्रकाशते।
दृश्यते त्वर्य्यया बुद्ध्या सूक्ष्मया सूक्ष्मदर्शिभिः।।

'यह सबका आत्मरूप परम पुरुष समस्त प्राणियों में रहता हुआ भी माया के पर्दे में छिपे रहने के कारण सबके प्रत्यक्ष नहीं होता, केवल सूक्ष्म तत्त्वों को समझने वाले पुरुषों द्वारा ही अति सूक्ष्म, तीक्ष्ण बुद्धि से देखा जाता है (उसका साक्षात्कार होता है) ।'

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की भाव की प्रधानता से भावना के अनुसार दृश्य दिख जाता है, वह इतना विशुद्ध नहीं होता है, विशुद्धसत्त्वेन... विशुद्ध संयम व व्रत उपवास से बुद्धि सूक्ष्म, सूक्ष्मतर, सूक्ष्मतम होती है तभी परमात्मा का साक्षात्कार होता है।

तो पुनर्वसु योग वाली रामनवमी को शुद्ध उपवास करना है, नवमी को अन्न नहीं खाना है, यह खाओ, वह खाओ, फलाहारी नमकीन खाओ... नहीं दूध, फल आदि थोड़ा सा नपा तुला ले लिया, एक दिन तो निकालना है ! दशमी को उपवास खोलना है।

बिगड़ी जनम अनेक की सुधरहिं अब और आजु ।
अनेक जन्मों का प्रारब्ध अथवा कर्म की गति बिगड़ी हुई हो परंतु अब और आज सुधर सके वह दिन रामनवमी का है, तो रामनवमी के उपवास का यह अवसर चूकना नहीं।

राम नवमी :ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की जीवन को खुशियों से भर देंगे राम नवमी के 10 अचूक उपाय। इस वर्ष रामनवमी पर्व 30 मार्च 2023, दिन गुरुवार को मनाया जा रहा है। इसी दिन सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, रवि तथा गुरुपुष्य योग का संयोग बन रहा है। इस दिन निम्न उपाय आजमाने से जीवन में खुशियां आती है। आइए जानते हैं 10 अचूक उपाय-

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की इस दिन 1 कटोरी में पानी लेकर रामरक्षा मंत्र 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्रीं नमः' का 108 बार जाप* करें। फिर घर के सभी कोने में उस जल का छिड़काव कर दें। इससे वास्तुदोष दूर होने के साथ ही घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाएगी।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की दांपत्य जीवन में दूरियां कम करके प्रेम बढ़ाने के लिए महिला इस दिन खीर बनाकर उसे रात्रि में चन्द्रमा की रोशनी में एक घंटे तक रखने के बाद वह खीर दोनों मिलकर खा लें।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के मंदिर में या उनके चित्र के सामने 3 बार अलग अलग समय पर श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन...,का पाठ करें। ऐसा करने से व्यक्ति के दुख और कष्ट दूर होते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की रामनवमी पर प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी का गुणगान करें और हनुमान चालीसा का संपूर्ण पाठ करें। इससे जातक पर श्रीराम और हनुमान जी की कृपा बनी रहती है।

राम नवमी के दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। इससे सभी तरह के सकंट दूर होकर आपकी रक्षा होगी।

राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के पूजन के समय राम नाम का जप जरूर करें। इससे जीवन में सुख एवं खुशहाली आएगी।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की राम नवमी के दिन रामायण या रामचरितमानस का पाठ करना या कराना अत्यंत ही शुभ माना गया है। इससे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और सारे दुःख दूर हो जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की रामनवमी के दिन सुंदरकांड का पाठ करने या कराने से जीवन में मंगल ही मंगल होता है। या सिर्फ ₹मंगल भवन अमंगल हारी द्रवहुसु दसरथ अजिर बिहारी₹ चौपाई का सम्पुट लगाकर पाठ करें। (चौपाई का अरद्धांश रामचरित मानस के पाठ के हर दोहे के पहले और बाद में पाठ किया जाता है तो उस अर्द्ध अंश को सम्पुट कहते हैं)

इस दिन रामचंद्र की स्तुति करने से प्रभु प्रसन्न होकर भक्तों पर कृपा बरसाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की यदि आप आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं, तो रामनवमी के दिन रामाष्टक का पाठ विधि पूर्वक करें। इससे अचानक धन की प्राप्ति होगी।

बाक्सः::

राम नाम का जप क्यों?कलयुग के आधार है रामःज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता

र+आ+म=राम मधुर, मनोहर, मनोरंजक, विलक्षण, चमत्कारी जिसकी महिमा तीन लोक से न्यारी है। रामचरितमानस के बालकांड के वंदना प्रसंग में कहा

गया है - नहिं कलि करम न भगति बिबेकू। राम नाम अवलंबन एकू। मतलब यह है कि कलियुग में न तो कर्म का भरोसा है, न भक्ति का और न ज्ञान का ही, बल्कि केवल राम नाम ही एक सहारा है।

पद्मपुराण में कहा गया है

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की जिसके कानों में राम यह नाम अकस्मात भी पड़ जाता है, उसके पापों वह वैसे ही को जला देता है, जैसे अग्नि की चिंगारी रुई को।

पद्मपुराण में यह भी लिखा

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की राम, राम, राम, राम-इस प्रकार बार-बार जप करने वाला चाण्डाल हो तो भी वह पवित्रात्मा हो जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है। उसने केवल नाम का उच्चारण करते ही कुरुक्षेत्र, काशी, गया और द्वारका आदि संपूर्ण तीर्थों का सेवन कर लिया।

स्कंदपुराण में भगवान् शंकर देवी पार्वती से कहते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की 'राम-यह दो अक्षरों का मंत्र जपे जाने पर समस्त पापों का नाश करता है। चलते, बैठते, सोते (जब कभी भी) जो मनुष्य राम-नाम का कीर्तन करता है, वह यहां कृतकार्य होकर जाता है और अंत में भगवान् हरि का पार्षद बनता है।पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि इसमें कोई संदेह नहीं कि जो शक्ति भगवान् की है, उससे भी अधिक शक्ति भगवान् के नाम की है। नाम जप की तरंगें हमारे अंतर्मन में गहराई तक उतरती हैं। इससे मन और प्राण पवित्र हो जाते हैं, शक्ति-सामर्थ्य प्रकट होने लगती है, बुद्धि का विकास होने लगता है, सारे पाप नष्ट हो जाते हैं, मनोवांछित फल मिलता है, सारे कष्ट दूर होते हैं, संकट मिट जाते हैं, मुक्ति मिलती है, भगवत्प्राप्ति होती है, भय दूर होते हैं, लेकिन जरूरत है, तो बस सच्चे हृदय और पवित्र मन से भगवान नाम लेने की।

श्रीराम नवमी विशेषः

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रतिवर्ष नये विक्रम संवत्सर का प्रारंभ होता है और उसके आठ दिन बाद ही चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को हिंदुओ का पर्व राम जन्मोत्सव जिसे रामनवमी के नाम से मनाया जाता है, इस वर्ष श्रीराम नवमी के पर्व 10 अप्रैल 2022 को मनाया जा रहा है। हमारे देश में राम और कृष्ण दो ऐसी महिमाशाली विभूतियाँ रही हैं जिनका अमिट प्रभाव समूचे भारत के जनमानस पर सदियों से अनवरत चला आ रहा है।

रामनवमी, भगवान राम की स्मृति को समर्पित है। राम सदाचार के प्रतीक हैं, और इन्हें ₹मर्यादा पुरुषोतम₹ कहा जाता है। रामनवमी को राम के जन्मदिन की स्मृति में मनाया जाता है। राम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, जो पृथ्वी पर अजेय रावण (मनुष्य रूप में असुर राजा) से युद्ध लड़ने के लिए आए। राम राज्य (राम का शासन) शांति व समृद्धि की अवधि का पर्यायवाची बन गया है। रामनवमी के दिन, श्रद्धालु बड़ी संख्या में उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए राम जी की मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। इस महान राजा की काव्य तुलसी रामायण में राम की कहानी का वर्णन है।

मर्यादा पुरुषोत्तम परिचयः

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की भगवान विष्णु ने राम रूप में असुरों का संहार करने के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया और जीवन में मर्यादा का पालन करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जन्मोत्सव तो धूमधाम से मनाया जाता है पर उनके आदर्शों को जीवन में नहीं उतारा जाता। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी भगवान राम अपने पिता के वचनों को पूरा करने के लिए संपूर्ण वैभव को त्याग 14 वर्ष के लिए वन चले गए और आज देखें तो वैभव की लालसा में ही पुत्र अपने माता-पिता का काल बन रहा है।

श्री राम का जन्म :

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की पुरुषोतम भगवान राम का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से हुआ था। यह दिन भारतीय जीवन में पुण्य पर्व माना जाता हैं। इस दिन सरयू नदी में स्नान करके लोग पुण्य लाभ कमाते हैं।

अगस्त्यसंहिता के अनुसार

मंगल भवन अमंगल हारी,
दऐवहुसु दशरथ अजिर बिहारि॥

अगस्त्यसंहिता के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी, के दिन पुनर्वसु नक्षत्र, कर्कलग्न में जब सूर्य अन्यान्य पाँच ग्रहों की शुभ दृष्टि के साथ मेष राशि पर विराजमान थे, तभी साक्षात भगवान् श्रीराम का माता कौशल्या के गर्भ से जन्म हुआ।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की धार्मिक दृष्टि से चैत्र शुक्ल नवमी का विशेष महत्व है। त्रेता युग में चैत्र शुक्ल नवमी के दिन रघुकुल शिरोमणि महाराज दशरथ एवं महारानी कौशल्या के यहाँ अखिल ब्रह्माण्ड नायक अखिलेश ने पुत्र के रूप में जन्म लिया था। राम का जन्म दिन के बारह बजे हुआ था, जैसे ही सौंदर्य निकेतन, शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए हुए चतुर्भुजधारी श्रीराम प्रकट हुए तो माता कौशल्या उन्हें देखकर विस्मित हो गईं। राम के सौंदर्य व तेज को देखकर उनके नेत्र तृप्त नहीं हो रहे थे। देवलोक भी अवध के सामने श्रीराम के जन्मोत्सव को देखकर फीका लग रहा था। जन्मोत्सव में देवता, ऋषि, किन्नर, चारण सभी शामिल होकर आनंद उठा रहे थे। हम प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल नवमी को राम जन्मोत्सव मनाते हैं और राममय होकर कीर्तन, भजन, कथा आदि में रम जाते हैं। रामनवमी के दिन ही गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना का श्रीगणेश किया था।

नारद्पुराणमेंरामउपासनाः

नारद पुराण में विविध आराध्यों की उपासना विधियाँ बीज मन्त्रों, न्यासादि के साथ दी हुई हैं। श्री विशाल वर्मा ने 'र' अक्षर की महत्ता पर लिखा तो सहज ही ध्यान में आया कि तन्त्र में शारदा लिपि की अक्षर-मात्रायें देवी विग्रह के रूप में भी जानी जाती हैं।

वैदिक शब्द 'भरत' अग्नि अर्थ में भी प्रयुक्त है, 'र' वर्ण को अग्नि से सम्बद्ध बताने के संदर्भ उपलब्ध हैं। मैंने सोचा कि पुराण अध्ययन क्रम में नारद पुराण में ढूढूँ तो सम्भवतः कुछ मिल जाये। क्या संयोग है! मिल ही गया।

रामोपासना का मन्त्र 'रामाय नमः' वैष्णव मन्त्रों में सर्वाधिक फलदाता है, गाणपत्यादि मंत्रों से कोटि कोटि गुना प्रभावी।...

दूसरे श्लोक में 'र' वर्ण की विवेचना स्पष्ट होती है।वह्नि अर्थात अग्नि रूपी अक्षर 'र' विष्णु शय्या पर अवस्थित है। 'म' रूपी सोम (चन्द्र) इसके मस्तक पर विराजमान है तथा यह 'आय' से अंत होता है - रामाय नमः।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की बीज रूप में राम को वर्णन अनुसार 'राँ' लिखा जाना चाहिये। एकाक्षर रघुपति मन्त्र, मानों दूजा कल्पवृक्ष।

वह्निः शेषान्वितश्चैव चन्द्रभूषितमस्तकः
एकाक्षरो रघुपतेर्मन्त्रः कल्पद्रुमोऽपरः

वह्निः - अग्नि स्वरूप 'र'

शेषान्वित - शेष अर्थात 'आ' की मात्रा [लक्ष्मण को शेष का अवतार भी कहा जाता है]

चन्द्रभूषित मस्तकः - सिर पर चन्द्रबिन्दु

(ँ चिह्न तन्त्र में विविध अर्थ रखता है, शक्ति से भी सम्बंधित, जाने क्यों चंद्रवदनी सीता देवी ध्यान में आने लगती हैं, 'राँ' अरण्य में रमते राम, सीता एवं लक्ष्मण का प्रतीक तो नहीं?)ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की मुझसे बहुत पहले किसी ने पूछा था कि सूर्यवंशी राम 'रामचंद्र' क्यों कहे जाते हैं। प्रतीत होता है कि आज उत्तर मिल गया।ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की कि यह मंत्र महापापों का विनाश करने वाला है। राम बीज है, नमः शक्ति। इसकी महत्ता ऐसे लिखी गयी हैः

श्रीराम राजसभा में हनुमान जी का ध्यान प्रभु के आगे पुस्तक बाँचते हुये करना चाहिये - वाचयन्तं हनूमन्तग्रतो धृतपुस्तकम्।

लोक में र एवं म के इन स्वरूपों की स्मृति भी है।

श्रीरामरक्षा स्तोत्र :

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की श्रीरामरक्षा स्तोत्र सभी तरह की विपत्तियों से व्यक्ति की रक्षा करता है। इस स्तोत्र का पाठ करने से मनुष्य भय रहित हो जाता है। एक कथा है कि भगवान शंकर ने बुधकौशिक ऋषि को स्वप्न में दर्शन देकर, उन्हें रामरक्षास्तोत्र सुनाया और प्रातःकाल उठने पर उन्होंने वह लिख लिया। यह स्तोत्र संस्कृत भाषा में है। इस स्तोत्र के नित्य पाठ से घर के कष्ट व भूतबाधा भी दूर होती है।पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि जो इस स्तोत्र का पाठ करता है वह दीर्घायु, सुखी, संततिवान, विजयी तथा विनयसंपन्न होता है। रामरक्षा स्तोत्र का नियमित एक पाठ करने से शरीर रक्षा होती है। मंगल का कुप्रभाव समाप्त होता है। रामरक्षा स्तोत्र के प्रभाव से व्यक्ति के चारों और एक सुरक्षा कवच बन जाता है जिससे हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा होती है। यदि गर्भवती स्त्री रोजाना इस स्तोत्र का पाठ करे तो इसके शुभ प्रभाव से गर्भ रक्षा होती है। स्वस्थ, सौभाग्यशाली एवं आज्ञाकारी संतान प्राप्त होती है। रामरक्षा स्तोत्र पाठ से भगवान राम के साथ पवनपुत्र हनुमान भी प्रसन्न होते हैं।

सर्पप्रथम हाथ में जल लेकर विनियोग मंत्र बोलें-

विनियोग अस्य श्री रामरक्षा स्तोत्र मंत्रस्य बुधकौशिक ऋषिः श्रीसीतारामचंद्रो देवता अनुष्टुप छंदः सीता शक्तिः श्रीमान हनुमान कीलकम श्री रामचंद्र प्रीत्यर्थे रामरक्षा स्तोत्रजपे विनियोगः।

जल को जमीन पर छोड़ दें।

अब इस ध्यान मंत्र से श्री राम के दिव्य स्वरुप का चिंतन करें।

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपदमासनस्थं
पीतं वासो वसानं नवकमल दल स्पर्धिनेत्रम्-प्रसन्नम।
वामांकारूढ़ सीता मुखकमलमिलल्लोचनम्-नीरदाभम्-
नानालंकारदीप्तं दधतमुरुजटामण्डलम्-रामचंद्रम ।।

॥ श्रीरामरक्षास्तोत्रम्॥

॥ श्रीगणेशायनमः॥

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की इस राम रक्षा स्तोत्र मंत्र के रचयिता बुध कौशिक ऋषि हैं, सीता और रामचंद्र देवता हैं, अनुष्टुप छंद हैं, सीता शक्ति हैं, हनुमान जी कीलक है तथा श्री रामचंद्र जी की प्रसन्नता के लिए राम रक्षा स्तोत्र के जप में विनियोग किया जाता हैं

॥ अथ ध्यानम्॥

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्दद्पद्मासनस्थं ।
पीतं वासोवसानं नवकमलदलस्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्॥
वामाङ्कारूढसीता मुखकमलमिलल्लोचनं नीरदाभं ।
नानालङ्कारदीप्तं दधतमुरुजटामण्डनं रामचंद्रम्॥

ध्यान करें

जो धनुष-बाण धारण किए हुए हैं,बद्द पद्मासन की मुद्रा में विराजमान हैं और पीतांबर पहने हुए हैं, जिनके आलोकित नेत्र नए कमल दल के समान स्पर्धा करते हैं, जो बाएँ ओर स्थित सीताजी के मुख कमल से मिले हुए हैं- उन आजानु बाहु, मेघशयाम,विभिन्न अलंकारों से विभूषित तथा जटाधारी श्रीराम का ध्यान करें।

॥ इति ध्यानम्॥

श्री रघुनाथजी का चरित्र सौ करोड़ विस्तार वाला हैं। उसका एक-एक अक्षर महापातकों को नष्ट करने वाला है।

नीले कमल के शयाम वर्ण वाले, कमलनेत्र वाले , जटाओं के मुकुट से सुशोभित, जानकी तथा लक्ष्मण सहित ऐसे भगवान् श्री राम का स्मरण करके,

जो अजन्मा एवं सर्वव्यापक, हाथों में खड्ग, तुणीर, धनुष-बाण धारण किए राक्षसों के संहार तथा अपनी लीलाओं से जगत रक्षा हेतु अवतीर्ण श्रीराम का स्मरण करके।

मैं सर्वकामप्रद और पापों को नष्ट करने वाले राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करता हूँ राघव मेरे सिर की और दशरथ के पुत्र मेरे ललाट की रक्षा करें।

कौशल्या नंदन मेरे नेत्रों की, विश्वामित्र के प्रिय मेरे कानों की, यज्ञरक्षक मेरे घ्राण की और सुमित्रा के वत्सल मेरे मुख की रक्षा करें।पी

मेरी जि''ा की विधानिधि रक्षा करें, कंठ की भरत-वंदित, कंधों की दिव्यायुध और भुजाओं की महादेवजी का धनुष तोड़ने वाले भगवान् श्रीराम रक्षा करें।

मेरे हाथों की सीता पति श्रीराम रक्षा करें, हृदय की जमदग्नि ऋषि के पुत्र (परशुराम) को जीतने वाले, मध्य भाग की खर (नाम के राक्षस) के वधकर्ता और नाभि की जांबवान के आश्रयदाता रक्षा करें।

मेरे कमर की सुग्रीव के स्वामी, हडियों की हनुमान के प्रभु और रानों की राक्षस कुल का विनाश करने वाले रघुश्रेष्ठ रक्षा करें।

मेरे जानुओं की सेतुकृत, जंघाओं की दशानन वधकर्ता, चरणों की विभीषण को ऐश्वर्य प्रदान करने वाले और सम्पूर्ण शरीर की श्रीराम रक्षा करें।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की शुभ कार्य करने वाला जो भक्त भक्ति एवं श्रद्धा के साथ रामबल से संयुक्त होकर इस स्तोत्र का पाठ करता हैं, वह दीर्घायु, सुखी, पुत्रवान, विजयी और विनयशील हो जाता हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की जो जीव पाताल, पृथ्वी और आकाश में विचरते रहते हैं अथवा छद्म वेश में घूमते रहते हैं , वे राम नामों से सुरक्षित मनुष्य को देख भी नहीं पाते।

राम, रामभद्र तथा रामचंद्र आदि नामों का स्मरण करने वाला रामभक्त पापों से लिप्त नहीं होता. इतना ही नहीं, वह अवश्य ही भोग और मोक्ष दोनों को प्राप्त करता हैं

जो संसार पर विजय करने वाले मंत्र राम-नाम से सुरक्षित इस स्तोत्र को कंठस्थ कर लेता हैं, उसे सम्पूर्ण सिद्धियाँ प्राप्त हो जाती हैं।ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया की जो मनुष्य वज्रपंजर नामक इस राम कवच का स्मरण करता हैं, उसकी आज्ञा का कहीं भी उल्लंघन नहीं होता तथा उसे सदैव विजय और मंगल की ही प्राप्ति होती हैं।

भगवान् शंकर ने स्वप्न में इस रामरक्षा स्तोत्र का आदेश बुध कौशिक ऋषि को दिया था, उन्होंने प्रातः काल जागने पर उसे वैसा ही लिख दिया।

जो कल्प वृक्षों के बगीचे के समान विश्राम देने वाले हैं, जो समस्त विपत्तियों को दूर करने वाले हैं (विराम माने थमा देना, किसको थमा देना/दूर कर देना ? सकलापदाम = सकल आपदा = सारी विपत्तियों को) और जो तीनो लोकों में सुंदर (अभिराम + स्+ त्रिलोकानाम) हैं, वही श्रीमान राम हमारे प्रभु हैं।

जो युवा,सुन्दर, सुकुमार,महाबली और कमल (पुण्डरीक) के समान विशाल नेत्रों वाले हैं, मुनियों की तरह वस्त्र एवं काले मृग का चर्म धारण करते हैं।

जो फल और कंद का आहार ग्रहण करते हैं, जो संयमी , तपस्वी एवं ब्रह्मचारी हैं , वे दशरथ के पुत्र राम और लक्ष्मण दोनों भाई हमारी रक्षा करें।

ऐसे महाबली झ रघुश्रेष्ठ मर्यादा पुरूषोतम समस्त प्राणियों के शरणदाता, सभी धनुर्धारियों में श्रेष्ठ और राक्षसों के कुलों का समूल नाश करने में समर्थ हमारा त्राण करें।

संघान किए धनुष धारण किए, बाण का स्पर्श कर रहे, अक्षय बाणों से युक्त तुणीर लिए हुए राम और लक्ष्मण मेरी रक्षा करने के लिए मेरे आगे चलें।

हमेशा तत्पर, कवचधारी, हाथ में खडग, धनुष-बाण तथा युवावस्था वाले भगवान् राम लक्ष्मण सहित आगे-आगे चलकर हमारी रक्षा करें।

भगवान् का कथन है की श्रीराम, दाशरथी, शूर, लक्ष्मनाचुर, बली, काकुत्स्थ , पुरुष, पूर्ण, कौसल्येय, रघुतम।

नित्यप्रति श्रद्धापूर्वक जप करने वाले को निश्चित रूप से अश्वमेध यज्ञ से भी अधिक फल प्राप्त होता हैं।

दूर्वादल के समान शयाम वर्ण, कमल-नयन एवं पीतांबरधारी श्रीराम की उपरोक्त दिव्य नामों से स्तुति करने वाला संसारचक्र में नहीं पड़ता।

लक्ष्मण जी के पूर्वज , सीताजी के पति, काकुत्स्थ, कुल-नंदन, करुणा के सागर , गुण-निधान , विप्र भक्त, परम धार्मिक , राजराजेश्वर, सत्यनिष्ठ, दशरथ के पुत्र, शयाम और शांत मूर्ति, सम्पूर्ण लोकों में सुन्दर, रघुकुल तिलक , राघव एवं रावण के शत्रु भगवान् राम की मैं वंदना करता हूँ।

राम, रामभद्र, रामचंद्र, विधात स्वरूप , रघुनाथ, प्रभु एवं सीताजी के स्वामी की मैं वंदना करता हूँ।

हे रघुनन्दन श्रीराम ! हे भरत के अग्रज भगवान् राम! हे रणधीर, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ! आप मुझे शरण दीजिए।पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि मैं एकाग्र मन से श्रीरामचंद्रजी के चरणों का स्मरण और वाणी से गुणगान करता हूँ, वाणी द्वारा और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान् रामचन्द्र के चरणों को प्रणाम करता हुआ मैं उनके चरणों की शरण लेता हूँ।

श्रीराम मेरे माता, मेरे पिता , मेरे स्वामी और मेरे सखा हैं इस प्रकार दयालु श्रीराम मेरे सर्वस्व हैं।उनके सिवा में किसी दुसरे को नहीं जानता।

जिनके दाईं और लक्ष्मण जी, बाईं और जानकी जी और सामने हनुमान ही विराजमान हैं, मैं उन्ही रघुनाथ जी की वंदना करता हूँ।

मैं सम्पूर्ण लोकों में सुन्दर तथा रणक्रीड़ा में धीर, कमलनेत्र, रघुवंश नायक, करुणा की मूर्ति और करुणा के भण्डार की श्रीराम की शरण में हूँ।

जिनकी गति मन के समान और वेग वायु के समान (अत्यंत तेज) है, जो परम जितेन्द्रिय एवं बुद्धिमानों में श्रेष्ठ हैं, मैं उन पवन-नंदन वानरग्रगण्य श्रीराम दूत की शरण लेता हूँ ।

मैं कवितामयी डाली पर बैठकर, मधुर अक्षरों वाले 'राम-राम' के मधुर नाम को कूजते हुए वाल्मीकि रुपी कोयल की वंदना करता हूँ।

मैं इस संसार के प्रिय एवं सुन्दर उन भगवान् राम को बार-बार नमन करता हूँ, जो सभी आपदाओं को दूर करने वाले तथा सुख-सम्पति प्रदान करने वाले हैं।